डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 140 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 05 मार्च 2025 | मूल्य 2 रुपया

शुक्रवार से होलाष्टक, आठ दिन नहीं होंगे शुभ कार्य

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सनातन मान्यतानुसार होलिका के आठ दिन पहले से होलाष्क लग जाते हैं। होलाष्क का समापन होलिका दहन के साथ होता है। इस अवधि में शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित माने जाते हैं। जिन्हें विवाह आदि शुभकार्य करने की जल्दी है, वे होलाष्क लगने के पूर्व ही कर लेना चाह रहे हैं।

होलाष्क फाल्गुन शुक्ल पक्ष अष्मी से शुरू होकर फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तक रहता है। अष्मी तिथि से शुरू होने कारण भी इसे होलाष्क कहा जाता है। आचार्य शशांक शर्मा के अनुसार फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्मी तिथि 07 मार्च शुक्रवार है। ऐसे में होलाष्क इस दिन से लगेगा और 14 मार्च को समाप्त होगा। इसी दिन होली मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्यो के मुताबिक होलाष्क के दिनों के दौरान राजा हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका के साथ मिलकर अपने पुत्र प्रह्लाद को भगवान विष्णु की भक्ति से दूर करने के लिए कठोर यातनाएं दी थी। यहां तक कि आखिरी दिन उसे जलाकर मारने की कोशिश भी की थी। इसलिए होलाष्क के दिनों को शोक का समय माना जाता है। होलाष्क के आठ दिन किसी भी मांगलिक शुभ कार्य को करने के लिए शुभ नहीं होते हैं। शास्त्रों के अनुसार, होलाष्क शुरू होने के साथ ही 16 संस्कार जैसे नामकरण संस्कार, जनेऊसंस्कार, गृह प्रवेश, विवाह संस्कार जैसे शुभ कार्यों पर रोक लग जाती है। घर-गाड़ी, सोना नहीं खरीदते हैं और न ही नया काम-व्यापार शुरू करते हैं।

लोडिंग-बाइक की टक्कर, तीन युवक घायल

मनासा, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर के मंदसौर मार्ग पर सोमवार शाम झवर पेट्रोल पंप के सामने लोडिंग ऑटो और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं ऑटो चालक मौके से फरार हो गया।

बताया गया है कि बाइक सवार तीनों युवक मनासा से अपने गांव चपलाना जा रहे थे। इसी दौरान मंदसौर से मनासा की ओर आ रहे लोडिंग ऑटो से उनकी टक्कर हो गई। एंबुलेंस पायलट नरेंद्र खींची और सहयोगी पायलट रोहित सेन घायलों को मनासा केसरकारी अस्पताल लाये। घायलों की पहचान करण सिंह निवासी थदेड, सूरज और अर्जुन सिंह निवासी चपलाना के रूप में हुई। तीनों के हाथ और पैर में फ्रैक्चर हैं। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को नीमच के बड़े अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद ऑटो चालक मौके से फरार हो गया।

स्वच्छता सर्वेक्षण: उद्यानों के 100 नंबर देंगे तनाव

वाटर प्लस में कमजोरी बरकरार, नदी-नालों में गंदगी की भरमार

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए केंद्रीय टीम जल्द आने वाली है। 9 हजार 500 अंक वाले स्वच्छता सर्वेक्षण सर्वे में 2024 में उद्यानों के सौंदर्याकरण और रखरखाव के भी 100 नंबर हैं। लेकिन, नपा इन 100 नंबरों को पक्का करने के लिए कोई प्रयास करती नजर नहीं आ रही है। उद्यानों में सफाई से लेकर पेड़-पौधों की कटाई, छंटाई किसी पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। इसका उदाहरण है नेहरु बस स्टैंड का बगीचा। इसके अलावा कॉलोनियों में बने बगीचे तो बगीचों के नाम पर सिर्फ खाली जमीन ही है। वाटर प्लस व अन्य चीजों में तो मंदसौर पहले से पीछे है। लेकिन, जो सामान्य व्यवस्था है, उनसे भी नगर पालिका बचती नजर आ रही है।

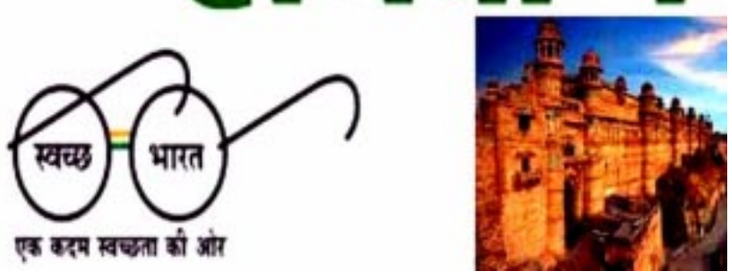

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगरपालिका सड़कों की साफ सफाई पर फोकस करे हुए है। लेकिन, इसके अलावा भी अन्य पहलू है, जिनके आधार पर भी नंबर दिए जाएंगे। उसमें अधिकांश में कहीं न कहीं कमी नजर आ रही है। उस पर काम करने में कहीं न कहीं लापरवाही बरती जा रही है। इसमें महत्वपूर्ण है उद्यान। उद्यानों के कर्मचारी, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के यहां ड्यूटी दे रहे हैं। दशपुर कुंज को छोड़ दिया जाए तो शहरभर के बगीचों से हरियाली मिस्टर इंडिया हो गई है। इसका जीता जागता उदाहरण नेहरु बस स्टैंड का बगीचा है। जिसमें असामाजिक तत्वों का डेरा दिनभर लगा रहता है। गंदगी के अलावा बैनर फ्लेक्स से बगीचे की बाउंड्री पटी हुई है। तैलिया तालाब का बगीचा भी लापरवाही की गवाही दे रहा है। यह सिर्फ एक उदाहरण है। शहर के अन्य बगीचों को तो लंबे समय से नगरपालिका ने अपने हाल पर ही छोड़ रखा है। यह लापरवाही नपा के लिए भारी पड़ सकती है। क्योंकि, नगर पालिका को स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए एक-एक अंक जरूरी है। इस वर्ष यह स्वच्छता सर्वेक्षण 9 हजार 500 अंक का रहेगा। इनमें से 5 हजार 705 अंक सर्विस लेवल प्रोग्रेस के लिए है। वहीं 2 हजार 500 अंक सर्टिफिकेशन के लिए व 1 हजार 295 अंक एक्टिविटी के रहेंगे, जो रहवासियों की मदद से की गई थी।

बता दें पिछले साल स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग 19 पायदान गिरी थी। मंदसौर नपा की रैंटिंग, देश में 51वां, प्रदेश में 15वां स्थान मिला था। प्रदेश के टॉप 10 की लिस्ट से भी मंदसौर नगर पालिका बाहर हो गई थी। जबकि बीते वर्षों से सबक लेकर आगे बढना था। इस बार भी कहानी दोहराई जा रही है।

वाटर प्लस में भी पहले से ही कमजोर...

इस बार भी टीम बिना बताए आएगी लेकिन हमारी तैयारी अब तक अधूरी है। हम पहले ही वाटर प्लस में कमजोर हैं, इससे 400 अंकों का नुकसान उठाना पड़ सकता है। शहर के नदी व नालों में आज भी सीवरेज की गंदगी मिलने के साथ जगह-जगह जलकुंभी जमा है। इसका उदाहरण नाहर सैयद तालाब, शिवना नदी और तैलिया तालाब है। खाली प्लाटों पर कचरा बिखरा रहता है, ऐसे में गार्बेज फ्री सिटी में भी 3 स्टार रेटिंग मिलना मुश्किल दिख रहा है।

यह है चुनौतियां...

जीएफसी: नपा ने गार्बेज फ्री सिटी के तहत थ्री-स्टार रेटिंग का दावा किया है। इसके तहत कहीं कचरा बिखरा नहीं होना चाहिए। सिंगल यूज व अमानक पॉलीथिन का उपयोग नहीं होना चाहिए। हालात ये है कि सब्जी मंडी, किराना दुकाने, नाश्ता कॉर्नर पर खुलकर उपयोग हो रहा है।

वाटर प्लस: शहर के बड़े नालों व जलाशयों में साफ पानी भरा या बहता होना चाहिए। शहर की शिवना नदी व बड़े नालों में गंदगी जमा होने के साथ जगह-जगह जलकुंभी हो रही है। किसी भी जगह नदी के किनारे पर खड़े हो जाएं तो नाले से आती दुर्गंध परेशान करेगी।

तेलिया तालाब परिक्षेत्र में मास्टर प्लान एवं एनटीजी के आदेश के विपरीत जारी की गई...

कालोनियों की अनुमतियां निरस्त की जाए

सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप गुप्ता ने कलेक्टर से की मांग, दिया आवेदन

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप कुमार गुप्ता द्वारा कलेक्टर को पत्र देकर मास्टर प्लान एवं एनजीटी न्यायालय द्वारा ओए 70/2022 में पारित आदेश के विपरीत जारी की गई कस्बा मन्दसौर स्थित कई भूमियो पर जारी कॉलोनी विकास एवं स्थापना अनुमति निरस्त करने की मांग की है।

श्री गुप्ता ने इस संबंध में जिला कलेक्टर द्वारा दी गई अनुमति आदेश क्रमांक 1710/ आर.टी.सी./ कॉलोनी / 2024 मंदसौर दिनांक 18/07/2024, अनुमति आदेश क्रमांक 1712 / आर.टी.सी. / कॉलोनी/2024 मंदसौर दिनांक 18/07/2024. अनुमति आदेश क्रमांक 1708 / आर.टी.सी./ कॉलोनी/ 2024 मंदसौर दिनांक 18/07/ 2024 एवं अनुमति आदेश क्रमांक 1282 / आर.टी.सी. / कॉलोनी/ 2024 मंदसौर दिनांक 07/06/ 2024 का संदर्भ भी दिया है।

श्री गुप्ता ने आवेदन में कहा है कि यह कि संदर्भित पत्रों के माध्यम से कस्बा मन्दसौर स्थित भूमि सर्वे क्रमांक क्रमश: 123, 124/2, 122/2, 125/1, 127, 128/1, 128/2, 99/ 1,99/2, 200/1,200/2, 200/3/1,200/3/2 एवं 200/ 4 पर कॉलोनी विकास की अनुमति विधि विरूद्ध जारी हो गई है। वर्तमान में मन्दसौर नगर हेतु मन्दसौर विकास योजना 2011 लागू व प्रभावशील है एवं विषयांकित सारे सर्वे कंमाक मास्टर प्लान 2011 के अनुसार तेलिया तालाब के डूब क्षेत्र व हरित क्षेत्र में आते है। उल्लखनीय है कि नवीन प्रस्तावित मास्टर प्लान (मन्दसौर विकास योजना (प्रारूप) 2035 को मन्दसौर शहर के विभिन्न जागरूक नागरिकों एवं स्वयं नगरपालिका परिषद् मन्दसौर की आपत्तियों के प्रकाश में निरस्त किया जा चुका है एवं नये सिरे से मास्टर प्लान का प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु शासन के आदेश हो चुके है। उक्त स्थिति में नवीन मास्टर प्लान 2035 जो वर्तमान में अस्तित्वहीन है उसके प्रकाश में वर्तमान प्रचलित मास्टर प्लान में आ रहे हरित क्षेत्र एवं डूब क्षेत्र में किसी भी प्रकार से कॉलोनी विकास की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

यह भी लिखा है कि 'एनजीटी' राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल भोपाल द्वारा ओए कंमाक 70/2022 अभयकुमार अकोलकर विरूद्ध मध्यप्रदेश शासन व अन्य में 19 अप्रैल 2024 को पारित आदेश में बिन्दु क्रमांक 22 (II) में स्पष्टरूप से आदेशित एवं निर्देशित किया है कि कलेक्टर मन्दसौर निर्धारित 3 माह की अवधि में डायरेक्टर टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग डिपार्टमेन्ट एवं राज्य शासन से अनुमोदन लेकर तेलिया तालाब के सम्बन्ध में कमेटी द्वारा प्रस्तुत फील्ड बुक के आधार पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए नोटिफिकेशन जारी करे। एनजीटी कोर्ट के आदेश के पालन में आज दिनांक तक कोई नोटिफिकेशन तेलिया तालाब के क्षेत्र के सम्बन्ध में जारी/प्रकाशित नहीं हुआ है। नोटिफिकेशन के अभाव में विषयांकित सर्वे कंमाको पर जारी संदर्भित कॉलोनी विकास अनुमतियां एनजीटी न्यायालय के आदेश के विपरीत एवं आदेश की घोर अवमानना होकर तत्काल प्रभाव से निरस्तनीय है। जब तक यह अनुमतियां निरस्त नही होती है तब तक निरन्तर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट 2010 की धारा 26 एवं 28 का उल्लंघन हो रहा है, जो कि सजा एवं जुर्माने से दण्डनीय है।

श्री गुप्ता ने आवेदन में यह भी उल्लेखित किया है कि टी.एन.सी.पी. नीमच द्वारा वेध एवं अनुमोदित नक्शो के विपरित तेलिया तालाब के समीप डूब क्षेत्र व हरित क्षेत्र में आने वाले कई सारे भूमि सर्वे कंमाकों कंमश: 123, 124/2, 122/ 2, 125/1, 127. 128/1, 128/ 2, 99/1, 99/2, 200/1, 200/ 2, 200/3/1.200/3/2 एवं 200/ 4 में विधि विरूद्ध एवं अनुमोदित नक्शो के विपरित डूब क्षेत्र व हरित क्षेत्र में अनुमतियां जारी कर दी गई थी। जब इस सम्बन्ध में विभिन्न समाचार पत्रों में इस घोटालें की खबरें प्रकाशित हुई तो खाना पुर्ति हेतु टी.एन.सी.पी. नीमच ने केवल भूमि सर्वे कंमाक 123 व 124/2 के कुछ भाग के सम्बन्ध में जारी अनुमति उनके संशोधित आदेश एमडीआरएलपी04092420574 दि. 27/11/2024 द्वारा निरस्त कर दी एवं शेष बड़े भू भाग की अनुमति निरस्त नही करते हुए उन्हे यथावत् रखा है।

यह कि प्रस्तावित मास्टर प्लान 2035 में तालाब की जगह छोड़कर धारा 19 (2) का प्रकाशन टीएनसीपी विभाग द्वारा किया गया था। जिसमें यह सारा क्षेत्र ग्रीन बेल्ट में दर्शित है। तालाब क्षेत्र के समीप स्थित ग्रीन बेल्ट का निर्धारण कराऐ बगैर ही तालाब क्षेत्र व ग्रीन बेल्ट में संदर्भित अनुमतिया जारी हो गई है जो तालाब जलीय क्षेत्र एवं ग्रीन बेल्ट के हितों के विपरित है। यह कि कई सारे दस्तावेजों, प्रमाणित तथ्यों व अनुमोदित नक्शो से स्पष्ट हो जाता है कि यह चारों संदर्भित अनुमतिया पूरी तरीके से विधि विरूद्ध हरितक्षेत्र व तालाब की डूब भूमि पर जारी हो गई है एवं तेलिया तालाब के जल संरक्षण व उसके आस-पास के हरित क्षेत्र को बचानें के लिए व राष्ट्रीय हरित अधिकरण भोपाल द्वारा दिए गए निर्णय दिनांक 19/04/2024 के पालन में यह अनुमतिया तुरन्त निरस्त की जाना अत्यन्त आवश्यक है नही तो न सिर्फ तेलिया तालाब जैसी शहर की मुख्य जल संरचना को व हरित क्षेत्र को हानि पहुंच रही है बल्कि इस क्षेत्र में इस विधि विरूद्ध अनुमति दी गई कालोनियों के कारण यह क्षेत्र अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्र तो बनेगा ही एन.जी.टी. कोर्ट की अवमानना भी लगातार हो रही है।

श्री गुप्ता ने यह भी लिखा है कि आज से काफी वर्षों पूर्व वर्ष 2002 में तत्कालीन कलेक्टर मन्दसौर श्री हीरालाल त्रिवेदी ने तेलिया तालाब क्षेत्र में सर्वे नम्बर 207, 208, 209 इत्यादि में कॉलोनी के निर्माण कार्यों पर इस कारण से रोक लगाई थी कि इन सर्वे कंमाको में मिट्टी का भराव करके तालाब का डूब क्षेत्र खत्म किया जा रहा है। जबकि, यह सर्वे नम्बर विषयांकित सर्वे कंमाको के मुकाबले तेलिया तालाब से अपेक्षाकृत काफी दूर स्थित है। संदर्भित अनुमति आदेशों में कॉलोनी हेतु अनुमती सर्वे कंमाक 200, 123, 124 आदि तेलिया तालाब व सर्वे कंमाक 207, 208 आदि के बीच में स्थित होकर तेलिया तालाब के काफी नजदीक है एवं तालाब के डूब क्षेत्र व हरित क्षेत्र में आते है। इस क्षेत्र पर कॉलोनी के निर्माण की अनुमति जारी की गई है, जो नियम विरूद्ध है। मन्दसौर नगर पालिका को यह तालाब जल संसाधन विभाग ने समस्त दस्तावेजों के साथ पत्र कंमाक 1599/का./11-12/मन्दसौर दिनांक 5/05/2011 को हैंडओवर कर दिया था। तालाब को हैंडओवर करते वक्त जो दस्तावेज और सर्वे नम्बर की जो सूची जल संसाधन विभाग ने नगर पालिका को सौपी थी, कॉलोनी हेतु अनुमत विषयाकित सर्वे नम्बर उक्त सूची में डूब क्षेत्र में आते है। इन विषयांकित सर्वे नम्बरों पर पर्यावरण एवं तालाब के जल क्षेत्र के हितों के विपरित विषयांकित सर्वे कंमाको पर अनुमतिया जारी कर दी गई है जो विधि विरूद्ध होकर निरस्त होने योग्य है। इस मामले में एनजीटी कोर्ट ने जब अपना... शेष पेज 4 पर

नोटिफिकेशन जारी होने पर डूब क्षेत्र में निकलेंगी भूमियां...

श्री गुप्ता ने कहा है कि विषयांकित सर्वे क्रंमाको के सम्बन्ध में जारी की गई विकास अनुमति निरस्त नहीं किए जाने पर एवं इन भूमियों पर विकसित होने वाली कॉलोनियों में नागरिकों द्वारा भूखण्ड क्रय कर लिए जाने के बाद जब एनजीटी कोर्ट के आदेश के पालन में तेलिया तालाब के वास्तविक डूब क्षेत्र के सम्बन्ध में विधिवत नोटिफिकेशन जारी होगा तब निश्चित रूप से इन अनुचित कॉलोनियों के प्लॉट/भूखण्ड डूब क्षेत्र में निकलेगें व मन्दसौर शहर के नागरिकों की मेहनत की कमाई का रूपया तेलिया तालाब की गहराई में डूब जाएगा। अनुमति निरस्त कर मन्दसौर शहर के नागरिको के साथ होने वाली लूट व धोखाधड़ी रोकी जा सकती है। मन्दसौर शहर की आबादी दिन प्रतिदिन बढती जा रही है। ऐसे में शहर की भविष्य की जल आपूर्ति को ध्यान में रखते हुए तेलिया तालाब के जलीय क्षेत्र एवं हरित क्षेत्र का संरक्षण अत्यतं आवश्यक है। श्री गुप्ता ने मांग की कि संदर्भित अनुमति आदेश तत्काल प्रभाव से 1 सप्ताह में निरस्त की जाये।

मास्टर प्लान 2002-11 का नक्शा ही नहीं तो अनुमति किस आधार पर...

समाजसेवी श्री प्रदीप गुप्ता ने कहा कि मैने आरटीआई में आवेदन देकर टीनएनसीपी नीमच से मास्टर प्लान 2011 का अनुमोदित नक्शा मांगा था। जो आज तक नहीं दिया गया है। यह कहा जा रहा है कि हमारे पास नक्शा नहीं है। तो फिर नई कालोनियो की अनुमति किस आधार पर दी जा रही है। यह भी विचारणीय है?

अधनंगा होकर अस्पताल से बाहर निकला मरीज..!

बंधक बनाने का लगाया आरोप, कहा-यह चोर लोग है, यहां मत आना

रतलाम, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर के 80 फीट रोड स्थित जीडी हॉस्पिटल में भर्ती एक मरीज ने हॉस्पिटल प्रबंधन पर रुपए के लिए उसे बंधक बनाने का आरोप लगाया है। मरीज अधनंगी अवस्था में हाथ यूरिन बैग और नाक में लगी नली के साथ अस्पसताल से बाहर आ गया। राह चलते किसी ने मरीज का वीडियो बना लिया। वीडियो में मरीज अस्पताल प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए दिख रहा है। सोमवार देर रात हॉस्पिटल प्रबंधन ने मरीज के खिलाफ पुलिस थाना औद्योगिक क्षेत्र में शिकायत की है। मरीज की तरफ से थाने में किसी प्रकार की शिकायत नहीं की गई।

आरोप लगाने वाले मरीज का नाम बंटी निनामा है। शहर के डीडी नगर थाना क्षेत्र में रविवार की रात दो पक्षों में मारपीट के मामले में घायल होने पर बंटी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया था। जहां से उसे इंदौर रेफर किया गया। लेकिन, परिजन ने उसे रतलाम के 80 फीट रोड स्थित जीडी हॉस्पिटल में लाकर भर्ती कराया। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे मरीज अर्धनग्न अवस्था में हाथ में यूरिन बैग व नाक में लगी नली के साथ हॉस्पिटल से बाहर आ गया। वह हॉस्पिटल प्रबंधन पर बंधक बनाने और ज्यादा पैसे वसूलने का आरोप लगाने लगा। सामने आए वीडियो में मरीज कहता नजर आ रहा है 'यहां पर कोई मत आना। यह चोर लोग है'। वहीं वीडियो में एक महिला भी दिख रही है जिसके हाथ में एक बच्चा है। महिला भी हॉस्पिटल प्रबंधन पर बंधक बनाने का आरोप लगा रही है।

हंगामा बढ़ने पर थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस भी पहुंची। मरीज को शांत करवाया। इस दौरान एक महिला भी हॉस्पिटल प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर आरोप लगाती रही। बाद में मरीज युवक अपने परिजनों के साथ ऑटो में बैठ कर चला गया। मामले में हॉस्पिटल मैनेजर सन्नी वर्मा का कहना है कि मरीज को आईसीयू में एडमिट किया था। दो घंटे तक भर्ती रहने के बाद वह हंगामा करने लगा। मेडिसिन समेत अन्य खर्च मिलाकर 8 हजार रुपए बिल बना था। जो भी आरोप वह लगा रहा है, बेबुनियाद है। हमने मरीज के खिलाफ थाने में शिकायत की है।

पीयूसी प्रमाणपत्र अब ऑनलाईन भी चलेंगे

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। वाहनों से निकलने वाली हानिकारक गैसों पर नियंत्रण के लिए प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता के साथ नई व्यवस्था लागू की गई है। अब वाहन चालक नई व्यवस्था के तहत चेकिंग अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र मांगे जाने पर ऑनलाइन या इलेक्ट्रॉनिक रूप में दिखा सकेंगे। प्रदूषण जांच केंद्रों को एनआइसी के पीयूसीसी पोर्टल के साथ इंटीग्रेट किए जाने के बाद ऑनलाइन सर्टिफिकेट जारी करने की व्यवस्था की गई है। ऑनलाइन पीयूसीसी जारी होने के तुरंत बाद ही अब उसका डेटा वाहन पोर्टल पर दिखने लगेगा।

बता दें कि पीयूसी सर्टिफक्रिट यानी पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफकेट वाहन के उत्सर्जन स्तर को प्रमाणित करने वाला दस्तावेज़ होता है। यह सर्टिफकेट वाहन के प्रदूषण स्तर की निगरानी के लिए सरकार ने लागू किया है।

सात लाख वाहनों में लगी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट...

प्रदेश में वाहनों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग द्वारा वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने का काम वाहन डीलर के माध्यम से किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक करीब 07 लाख पुराने रजिस्टर्ड वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाई जा चुकी है। इस हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगने से वाहन चोरी होने पर आसानी से ट्रैस किया जा सकता है।

बस की छत पर रखा सामान मधुमक्खी के छत्ते से टकराया...

क्रोधित मधुमक्खियों के हमले से आठ जन घायल

सीतामऊ, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर रोड पर मंगलवार सुबह मधुमक्खियों के हमले में 8 लोग घायल हो गए। घटना में एक दंपति सहित तीन लोगों की स्थिति गंभीर है। सभी घायलों को सीतामऊ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सड़क किनारे स्थित एक पेड़ पर बने मधुमक्खियों के छत्ते से बस में रखे सामान के टकराने से हुई। इससे मधुमक्खियां भड़क गईं और आसपास के राहगीरों और पशुओं पर हमला कर दिया।

मधुमक्ख्यिो के हमले में तितरोद निवासी स्नेहलता लोहार (50), सुरेश लोहार (55), महेश लोहार (28), जगदीश धींगा (57), अश्विन धींगा (11) और अंश धींगा (7) समेत कुल 8 लोग घायल हुए। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग पर यह पहली बार नहीं है। उंचाई वाले वाहनों के पेड़ से टकराने पर मधुमक्खियां अक्सर हमला कर देती हैं। इस दौरान रास्ते से गुजरते दो पहिया वाहन सवार अकसर मधुमक्खियो के शिकार बनते है।

रमजान पर सिर्फ मुस्लिम दुकानदारों से करेंगे खरीदारी..?

भोपाल में वायरल संदेश पर बोले भाजपा विधायक- हिंदुओं को चुनौती मत दो

भोपाल, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। रमजान का पवित्र माह शुरू हो गया है। रोजे के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किसी तनवीर नाम की आईडी से लिखा गया कि हिंद के सभी मुस्लिम भाई-बहन को रमजान मुबारक। बस आप सभी करोड़ों मुस्लिम भाई-बहन से इतनी गुजारिश करनी है कि इफ्तार का सामान सिर्फ और सिर्फ अपने मुस्लिम भाई से खरीदें।

संदेश में आगे लिखा गया कि किसी हिंदू की दुकान या ठेले से गलती से भी इफ्तार का सामान न खरीदें। यह लोग आपको कुछ भी खिला सकते हैं नफरत में।वहीं एक दूसरा संदेश इबरार अहमद के नाम से प्रसारित हुआ। इसमें लिखा है कि हम सबकी खुशनसीबी रमजान का मुबारक महीना आ गया है। साथियों रमजान मुबारक की खरीददारी देखकर करें।

आगे लिखा गया - खास तौर पर उन लोगों से खरीदें, जो आपकी खरीददारी से अपना रमजान और ईद खुशी के साथ मना सकें। अल्लाह रब्बुल इज्ज़त रमजान की बरकत से हमारे गुनाह फरमाये। आमीन। इसके अलावा एक अन्य संदेश भी प्रसारित हुआ।

नफरत फैलाने वाले इन संदेशों पर भाजपा बनाम कांग्रेस...

हिंदू-मुस्लिम में नफरत फैलाने वाले इन संदेशों से नेताओं की बयानबाजी शुरू हो गई। हुजूर विधानभा क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि देश बाबा साहब आंबेडकर के बनाए गए संविधान से चलता है। रामेश्वर शर्मा ने कहा- हिंदुओं को चुनौती मत दो। यदि हिंदुओं ने बायकाट कर दिया तो मुश्किल हो जाएगी। हिंदू सबको जीने का अधिकार देता है। हिंदू शेर है। अपना बदला लेना जानता है। हम चींटी को भी दाना डालते हैं और सांप को भी दूध पिलाते हैं। इधर शहर की मध्य विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि नफरत फैलाने वाले संदेश किसी के व्यक्तिगत हो सकते हैं। ऐसा काम नफरत फैलाने वाले लोग ही कर सकते हैं। ऐसा कोई फैसला किसी उलेमा व किसी बड़ी तंजीम ने नहीं लिया है। ऐसे संदेश पूरी तरह से गलत हैं।

विचार-मंथन

विदर्भ की क्रिकेट प्रतिभाएं अब नजरअंदाज न की जाएं?

विदर्भ भारतीय घरेलू क्रिकेट में रणजी का रण दो से अधिक बार फतह करने वाली छठी टीम बन गई. पूरे सत्र में अपराजित रहकर विदर्भ ने रविवार को केरल के खिलाफ फाइनल में पहली पारी में बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी जीती, जो उसका यह तीसरा खिताब है. विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर की कमान में तजुर्बेकार और युवा खिलाड़ियों के विदर्भ के दल ने पूरे सत्र में इतना शानदार प्रदर्शन किया कि अंतरराष्ट्रीय टीम को भी उसपर रश्क हो सकता है. यश राठौड़ (960 रन), करुण नायर (863), दानिश मालेवार (783), अक्षय वाडकर (722), ध्रुव शौरे (467) ने जहां रनों की झड़ी लगा दी, वहीं हर्ष दुबे (476 रन) ने बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी जलवा दिखाकर 69 विकेट लिए. आदित्य ठाकरे (28), अक्षय वखरे (27) पार्थ रेखड़े (13 विकेट) ने गेंदबाजी में कमाल दिखाकर विदर्भ को खिताबी कामयाबी दिलाई. पिछले सात वर्षों में विदर्भ ने तीन बार रणजी ट्रॉफी पर कब्जा जमाकर और एक बार उपविजेता बनकर अपनी काबिलियत का परिचय दिया. हालांकि पहले दो बार रणजी चैंपियन बनने के बावजूद विदर्भ के क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौके नहीं मिल पाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा. इस सत्र में करुण नायर और अक्षय वाडकर ने अपने बल्ले से सभी को प्रभावित किया लेकिन जिस बल्लेबाज ने अपनी तकनीक, धैर्य और कौशल से मोहित किया है वह है दानिश मालेवार. 21 साल के इस युवा खिलाड़ी में अपार संभावनाएं हैं. इस रणजी सत्र में दो शतक और छह अर्धशतक जड़ चुके दानिश में क्रिकेट के पारंपरिक प्रारूप (टेस्ट) का खिलाड़ी बनने के सारे गुण नजर आते हैं. 24 साल के यश राठौड़ तो दानिश से एक कदम और भी आगे हैं जिनके नाम पर इस सत्र में पांच शतक और तीन अर्धशतक हैं. 30 साल के अक्षय वाडकर ने दो शतक और दो अर्धशतक जड़े हैं. खैर, वाडकर की उम्र थोड़ी ज्यादा है लेकिन मालेवार और राठौड़ तो अभी युवा हैं. इस तरह के खिलाड़ियों को अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौके नहीं मिलते हैं तो कुंठा उन्हें घेर लेगी. भारतीय क्रिकेट का यदि आप गहराई से अवलोकन करते हैं तो पांच दिनी प्रारूप के लायक 'मटेरियल' कम हो रहा है. सभी टी-20 जैसे तमाशा क्रिकेट में खेलकर और फिर आईपीएल में उतरकर कुछ ही महीनों में लाखों-करोड़ों की कमाई करने के ख्वाहिशमंद हैं, लेकिन इसका असर भी अब साफ नजर आ रहा है. पिछले साल न्यूजीलैंड की टीम भारत को उसी की सरजमीं पर टेस्ट में 3-0 से धोकर चली गई. ऑस्ट्रेलिया में भी सूरत-ए-हाल लगभग ऐसा ही था. टेस्ट की क्वालिटी के खिलाड़ियों की उपज अगर न हो तो हश्र ऐसा ही होगा. लिहाजा मालेवार और राठौड़ जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के रणजी में प्रदर्शन पर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को गौर करना ही होगा. पिछले कुछ दिनों से रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋषभ पंत के स्तर के खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट में खेलने को कहा जा रहा है. इससे इन खिलाड़ियों को टेस्ट में खेलने का अभ्यास तो होगा ही, साथ ही घरेलू टीमों के खिलाड़ियों को भी उनसे कुछ सीखने का मौका मिलेगा. यह सही भी है लेकिन रणजी ट्रॉफी जैसे टेस्ट मैच तुल्य मुकाबलों में जिन खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन किया है उन्हें कैसे हाशिये पर किया जा सकता है. खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय करियर किस तरह से चौपट हो सकता है, इसका उदाहरण करुण नायर हैं जो संयोग से विदर्भ के लिए ही खेले. टेस्ट में तिहरा सैकड़ा जड़ने पर भी इस खिलाड़ी की कद्र नहीं की गई. आगे चलकर उनके हिस्से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वनवास ही आया. इस सत्र में नायर ने चार शतक और दो अर्धशतक जड़े और वह फिर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए दरवाजा खटखटा रहे हैं. किसी भी क्रिकेटर के करियर में इस तरह का दौर न आए. उम्मीद है चयनकर्ता रणजी में विदर्भ वीरों के इस सत्र में दमदार प्रदर्शन को नजरअंदाज नहीं करेंगे और उनके साथ न्याय करेंगे.

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अपने देश के साथ क्या किया!

नीरज कुमार दुबे

जहां तक ओवल ऑफिस में अमेरिका और यूक्रेन के राष्ट्रपति के बीच हुई तीखी बहस की बात है तो आपको बता दें कि पहले से ही तनावपूर्ण माहौल में हो रही बैठक में उस समय बड़ा विस्फोट हो गया जब वेंस ने रूस-यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने के लिए कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान जेलेंस्की ने हाथ जोड़कर प्रतिवाद किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। जेलेंस्की ने कहा कि आप किस तरह की कूटनीति की बात कर रहे हैं, जेडी? इस पर वेंस ने पलटवार करते हुए कहा, मैं उस तरह की कूटनीति के बारे में बात कर रहा हूं जो आपके देश के विनाश को रोकेगी। इस दौरान जेलेंस्की ने पुतिन के प्रति उनके नरम रुख को लेकर ट्रंप को खुली चुनौती दी और उनसे हत्यारे के साथ कोई समझौता नहीं करने का आग्रह किया। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के हमारे बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा कि 2014 के दौरान किसी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को नहीं रोका। उन्होंने लोगों को मार डाला। जेलेंस्की ने कहा कि 2019 में मैंने उनके साथ युद्धविराम के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए मगर उन्होंने युद्धविराम तोड़ा, हमारे लोगों को मारा और कैदियों की अदला-बदली नहीं की इसलिए आप किस तरह की कूटनीति की बात कर रहे हैं? जेलेंस्की की बात का जवाब देते हुए, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा, मैं उस कूटनीति की बात कर रहा हूं जो देश के विनाश को समाप्त कर सकती है। जेडी वेंस ने कहा कि आपको अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का शुक्रिया अदा करना चाहिए क्योंकि अमेरिका के ओवल ऑफिस में आना और उस प्रशासन पर हमला करना अपमानजनक है जो आपके देश के विनाश को रोकने की कोशिश कर रहा है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं पुतिन या किसी और के साथ नहीं हूं, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हूं और दुनिया की भलाई के लिए संवाद में शामिल हूं। उन्होंने कहा कि पुतिन के लिए जेलेंस्की के मन में जो नफरत है, उस तरह की नफरत के साथ समझौता करना बहुत मुश्किल है। ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की को तत्काल युद्ध विराम करना चाहिए, युद्ध विराम तुरंत हो सकता है। यदि आप युद्ध समाप्त करना चाहते हैं, तो आपको एक समझौते पर हस्ताक्षर करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि जेलेंस्की कहते हैं कि उन्हें युद्ध विराम नहीं चाहिए तो उन्हें अमेरिका के बिना लड़ना होगा और यदि वे अमेरिका के बिना लड़ते हैं, तो ये आसान नहीं होगा क्योंकि हमारे बिना वे जीत नहीं सकते। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की को यह महसूस करने की जरूरत है कि वह युद्ध हार रहे हैं। ट्रंप ने कहा, मैं अब और युद्ध नहीं लड़ना चाहता। ट्रंप ने जेलेंस्की के प्रति तीखा रुख दिखाते हुए उन पर लाखों लोगों का जीवन खतरे में डालने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी कार्रवाई से तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता था। हम आपको यह भी बता दें कि इस तीखी बहस को पूरी दुनिया में लोगों ने देखा। इस बहस से माहौल इतना गर्म हो गया था कि ट्रंप ने अपने दो शीर्ष सहयोगियों को जेलेंस्की को यह बताने का निर्देश दिया कि अब उनके जाने का समय हो गया है। ऐसा तब हुआ जब वेटर वहां आये प्रतिनिधिमंडलों को दोपहर का भोजन परोसने की तैयारी कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि वार्ता जारी रखने की जेलेंस्की की इच्छा के बावजूद यूक्रेनियन प्रतिनिधिमंडल को वहां से चले जाने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही यूक्रेन और अमेरिका खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करने में भी विफल रहे। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया है कि ट्रम्प को फिलहाल खनिज सौदे पर दोबारा विचार करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। इस जुबानी जंग के बाद जेलेंस्की 'व्हाइट हाउस' से चले गए। हालांकि इस बहस ने अमेरिका और यूरोप के बीच उभरी गहरी दरार को उजागर कर दिया है। हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप ने वार्ता के दौरान जेलेंस्की को स्टुपिड भी कह दिया था। इससे पहले भी ट्रंप जेलेंस्की को तानाशाह बता चुके हैं। उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ कहासुनी के बाद व्हाइट हाउस से रवाना होने के बाद यूक्रेन के समर्थन के लिए ट्रंप और अमेरिका का आभार व्यक्त किया। व्हाइट हाउस से प्रस्थान के कुछ ही मिनट बाद, जेलेंस्की ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, धन्यवाद अमेरिका, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, इस यात्रा के लिए धन्यवाद। अमेरिकी राष्ट्रपति, कांग्रेस और अमेरिकी लोगों का धन्यवाद। यूक्रेन को न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की आवश्यकता है, और हम बस उसी के लिए काम कर रहे हैं। दूसरी ओर, ट्रंप और जेलेंस्की के बीच 'ओवल ऑफिस' में हुई तीखी बहस के बाद यूक्रेन के यूरोपीय साझेदारों और दुनिया के अलग-अलग देशों के नेताओं ने जहां जेलेंस्की का समर्थन किया तो वहीं दूसरी ओर 'व्हाइट हाउस' ट्रंप के साथ खड़ा दिखाई दिया। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लेयेन ने 'एक्स' पर लिखा, आपने जो गरिमा दिखाई, उसने यूक्रेन के लोगों की बहादुरी को दर्शाया है। मजबूत, बहादुर और निडर बने रहें, प्रिय वोलोदिमीर जेलेंस्की। हम न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के लिए आपके साथ काम करते रहेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 'एक्स' पर लिखा, ''एक हमलावर है- रूस। एक पीड़ित है- यूक्रेन। हमारा तीन साल पहले यूक्रेन की मदद करना और रूस पर प्रतिबंध लगाना सही था- और ऐसा करते रहना सही भी है। मैक्रों ने कहा, हमारे से मेरा तात्पर्य अमेरिकी, यूरोपीय, कनाडाई, जापानी और कई अन्य से है। उन्होंने कहा, उन सभी का आभार जिन्होंने मदद की और कर रहे हैं। उन लोगों के प्रति सम्मान व्यक्त करता हूं जो शुरू से ही लड़ रहे हैं - क्योंकि वे अपनी गरिमा, अपनी स्वतंत्रता, अपने बच्चों और यूरोप की सुरक्षा के लिए लड़ रहे हैं।वहीं ट्रंप की करीबी सहयोगी मानी जाने वाली इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने कहा कि वे कूटनीति को पुनः पटरी पर लाने के लिए यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच शिखर सम्मेलन का आह्वान करेंगी। उन्होंने एक बयान में कहा, अमेरिका, यूरोपीय देशों और सहयोगियों के बीच तत्काल एक शिखर सम्मेलन आयोजित किए जाने की आवश्यकता है, जिसमें इस बारे में खुलकर बात की जाए कि हम आज की बड़ी चुनौतियों से कैसे निपटना चाहते हैं। इसकी शुरुआत यूक्रेन से हो, जिसका हमने हाल के वर्षों में मिलकर बचाव किया है।

68 वर्षीय शशि थरूर ने सवाल तो वाजिब पूछा है?

विजय दर्डा

युवाओं के हृदय पर राज करने वाले 68 वर्षीय शशि थरूर इन दिनों क्या कांग्रेस से बगावत पर उतर आए हैं? मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगता क्योंकि वे मेरे अच्छे दोस्त हैं और मैं उनके व्यक्तित्व को बहुत करीब से जानता हूं. शशि थरूर बेहद बेबाक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं और जो सच है, उसे कहने में कभी नहीं हिचकते. उनका व्यक्तित्व इतना प्रभावशाली है कि हर राजनीतिक दल उन्हें अपने पास रखना चाहेगा, सभी दलों में वे लोकप्रिय हैं. इसके बावजूद यदि वे कांग्रेस में बने हुए हैं तो इसका कारण कांग्रेस की मूल नीतियों के प्रति उनकी समझ है. सच कहने को बगावत कतई नहीं कहा जा सकता! कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए शशि थरूर खड़े हुए तब उनका उद्देश्य युवाओं को आकर्षित करके पार्टी में नई ऊर्जा का संचार करना था. बहुत से लोग आज भी यह महसूस करते हैं कि थरूर यदि अध्यक्ष बने होते तो कांग्रेस की स्थिति निश्चय ही बिल्कुल अलग होती. थरूर के बहुआयामी व्यक्तित्व के बारे में हम सब अच्छी तरह से जानते हैं. वे भीड़ में भी अलग काबिलियत रखते हैं. इसके बावजूद यदि उन्हें लग रहा है कि पार्टी उनका सदुपयोग नहीं करती है और अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के बाद उन्हें हाशिये पर डाल दिया गया है तो यह कांग्रेस के लिए ज्यादा घाटे की बात है. मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि कांग्रेस के भीतर शशि थरूर के कद का कोई नेता मौजूद नहीं है. वे देश की नब्ज पहचानते हैं तो दुनिया की नब्ज भी उनसे अछूती नहीं है. उनकी खासियत यह भी है कि वे इतने विद्वान होने के बावजूद अपनी काबिलियत को किसी पर थोपते नहीं हैं. उनका व्यवहार बड़ा सहज और सरल होता है. शशि थरूर को राजनीति में लाने का खयाल सबसे पहले डॉ. मनमोहन सिंह को आया था. 2009 से लगातार तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस के टिकट पर सांसद चुने जाते रहे हैं. मनमोहन सिंह मंत्रिमंडल में वे विदेश राज्य मंत्री और मानव संसाधन राज्य मंत्री थे. हालांकि उनकी योग्यता को देखते हुए उन्हें कैबिनेट पद मिलना चाहिए था. लेकिन उन्होंने कभी ऐसी मांग नहीं की. लेकिन उन्हें यह बात बहुत खलती थी कि मनमोहन सिंह को कांग्रेस का एक खेमा बहुत परेशान करने में लगा था. चापलूसी पसंद वह खेमा शशि थरूर को बर्दाश्त नहीं कर सका. गुलाम नबी आजाद के जी-23 में भी शशि थरूर सक्रिय भागीदार थे और तब उन्होंने पार्टी लीडरशिप को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए थे. जाहिर है कि चापलूसी पसंद खेमा इस बात से भी अब तक नाराज ही चल रहा है. करीब दो सप्ताह पहले शशि थरूर ने राहुल गांधी से मुलाकात की थी. उन्होंने राहुल से कहा कि संसद में महत्वपूर्ण बहसों के दौरान उन्हें बोलने का मौका नहीं दिया जाता. लगातार अनदेखी की जा रही है. राहुल गांधी ने क्या जवाब दिया, यह तो पता नहीं लेकिन मुझे भी यह कभी समझ में नहीं आया कि थरूर जैसे व्यक्ति को कोई पार्टी कैसे इग्नोर कर सकती है. उनके जैसा वक्ता पास में हो तो पार्टी प्रभावी प्रदर्शन कर सकती है. 2014 से 2019 तक मल्लिकार्जुन खड़गे को और उसके बाद अधीर रंजन चौधरी को 2019 से 2024 तक संसदीय दल का नेता बनाए रखा जबकि शशि थरूर जैसा प्रभावी प्रहार करने वाला नेता पार्टी के पास सदन में मौजूद था! याद कीजिए कि शशि थरूर ने जब ऑक्सफोर्ड में खड़े होकर ब्रिटेन द्वारा भारत की लूट-खसोट पर तथ्यों के साथ भाषण दिया तो पूरा भारत वाह-वाह कर उठा! ऐसा इसलिए कि वे तथ्यों के साथ बात करते हैं. पिछले वर्षों में कांग्रेस ने पार्टी के भीतर ढेर सारे बदलाव किए. अभी हाल ही में दो महासचिवों की नियुक्ति हुई और कई राज्यों के प्रभारी बदले गए लेकिन थरूर के लिए कोई जगह न बननी थी और न बनी! यहां तक कि जिस ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस की पूरी रचना शशि थरूर ने की थी, उसी के प्रभार से उन्हें हटा दिया गया! ताजा मामला यह है कि शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी दौरे को सफल बताते हुए तारीफ कर दी. उन्होंने लिखा... 'प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात के कुछ महत्वपूर्ण परिणाम देश के लोगों के लिए अच्छे हैं. मुझे लगता है कि इसमें कुछ सकारात्मक हासिल हुआ है, मैं एक भारतीय के रूप में इसकी सराहना करता हूं. इस मामले में मैंने पूरी तरह से राष्ट्रीय हित में बात की है।

चिंतन- धर्म, कर्म, ज्ञान और प्रेम का अद्भुत समागम है प्रयागराज

दिव्य महाकुम्भ 2025 के सफलता पूर्वक आयोजन से उपरोक्त भारतीय संस्कृति के मूल की पुनः पुष्टि हुई। क्योंकि संगम के पवित्र जल में सभी विचारधाराओं के नागरिकों ने, देश विदेश के नागरिकों ने एक ही पवित्र स्थान पर एवं पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाई और सभी ने अपने आप को धन्य समझा है। प्रयागराज मेरी कर्मभूमि है। मैंने इसे हर नजरिए से पढ़ा है और आत्मीयता भाव पूर्वक उसे गढ़ा है। इस शहर की इंद्रधनुषी सांस्कृतिक छटा आपको भाव विभोर किये बिना नहीं रहेगी। महाकुंभ 2025 के आयोजन से इसकी विश्वव्यापी प्रसिद्धि बढ़ी है। धार्मिक आस्था और पौराणिक महत्व वाले इस शहर के विभिन्न पहलुओं की चर्चा मैं यहां कर रहा हूँ ताकि इसके विभिन्न महत्ता से आप भी अवगत हो सकें। वैसे तो ज्ञान, धार्मिक एवं सांस्कृतिक समागम की पवित्र भूमि प्रयागराज की महिमा, गरिमा, पुण्य प्रताप और आशीर्वाद के बारे में मैंने विभिन्न लेख में बहुत आत्मीय अनुभूति और गहन अध्ययन के साथ लिखता आया हूँ। अपनी सुदीर्घ वर्षों की साधना एवं लगभग तीन दशकों लंबे के प्रशासनिक अनुभव के बारे में विस्तार से लिखा है। जो भी समझा, उसे अपनी अल्प बुद्धि, ज्ञान और अनुभव के आधार पर लिखा और मन के उद्गार को देश-समाज हित में अभिव्यक्त किया। लिहाजा, यहां पर मैं अपने मन में प्रयागराज विश्वविद्यालय (पूर्व नाम इलाहाबाद विश्वविद्यालय), जिसे यानी पूर्व का ऑक्सफोर्ड करार दिया जाता है और ऐसा ही गौरव उसे प्राप्त है, के कुछ अनछुए पहलुओं की चर्चा करूँगा। साथ ही गंगा-जमुना संस्कृति की उस तहजीब और प्रयागराज की पावन भूमि के साथ प्रयागराज की कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली उस अपठनीय और मन को द्रवित करने वाली चुनौतियों के दुष्टिगत अपने कर्मभूमि के कार्यकाल की अकथनीय दास्तान को वर्णित करने का प्रयास किया, जो वाकई कठिन कार्य है। मेरा स्पष्ट मत है कि यदि लेखन में अनुभूति, सत्यता और निर्भीक होकर अपने अनुभूति जन्य भावों को प्रकट करने की क्षमता का अभाव है तो ऐसा लेखन निंदनीय और अपठनीय होता है। सच कहूं तो मैंने अपने जीवन में महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी, जनकवि कबीर जी को जिया है, अर्थात निराला जी की योग्यता के साथ आर्थिक विपन्नता का दंश भी झेला और क्षत्रिय कुल में जन्म लेकर भी नाम के आगे टाइटिल नहीं लगाने का साइड इफेक्ट्स भी झेला। परंतु जैसे सत्य पराजित नहीं होता है, उसी प्रकार शिक्षा पर आधारित ज्ञान, योग्यता, दक्षता को भी किसी प्रकार से पराजित नहीं किया जा सकता है। काव्यात्मक शब्दों में कहूँ तो- संपदा से कहीं अधिक जग में, मान-सम्मान की जरूरत/जरारत है, यार, मेरा ख्याल है तुझको, सिर्फ ईमान की जरुरत है। जिसने बख्शी तुम्हें खूलंदी, तुम, उसको पांवों की धूल मत समझो, खींच लेगा जमीन पर तुमको, दर्द उसका फिजूल मत समझो। दिव्य महाकुम्भ 2025 के सफलता पूर्वक आयोजन से उपरोक्त भारतीय संस्कृति के मूल की पुनः पुष्टि हुई। क्योंकि संगम के पवित्र जल में सभी विचारधाराओं के नागरिकों ने, देश विदेश के नागरिकों ने एक ही पवित्र स्थान पर एवं पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाई और सभी ने अपने आप को धन्य समझा है। और मैं प्रयागराज की पवित्र भूमि पर निवासित नागरिकों को भी साधुवाद दूंगा कि मात्र 45 दिवस की अवधि में 66 करोड़ से ज्यादा अनुशासित श्रद्धालुओं के प्रयागराज में आने पर भी यहाँ के नागरिकों ने शहरी यातायात और मुलभूत सुविधाओं पर आए भारी दबाव को सहर्ष स्वीकार करते हुए श्रद्धालुओं की सेवा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी।

बच्चों की परीक्षाओं को देखते हुए इस बार डीजे रहित निकलेगी धुलेंडी पर रंगारंग महागैर

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। महावीर फतेह करे सेवा संस्था (बालाजी ग्रुप) की तीन छतरी बालाजी मंदिर परिसर समाज प्रमुखों के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में संस्था जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी द्वारा धुलेंडी पर्व 14 मार्च, शुक्रवार को मंदसौर नगर में निकाली जाने वाली रंगारंग महागैर के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मंदसौर में धुलेंडी पर्व पर गैर निकालने की परम्परा को बालाजी ग्रुप ने जीवित रखा है। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ग्रुप द्वारा जनकूपुरा स्थित गणपति चौक से प्रात: 10 बजे संतों के सानिध्य में व बटुकों के मंत्रोच्चार के साथ भव्य रंगारंग गैर का शुभारंभ होगा जो मंदसौर नगर में निकाली जाएगी। श्री बैरागी ने कहा कि होली पर्व के दौरान बच्चों की परीक्षाएं रहेगी ऐसे में डी.जे. की तीव्र आवाज की वजह से उनके विद्याध्ययन में परेशानी न हो इसलिये इस बार की महागैर डी.जे. मुक्त रहेगी। श्री बैरागी ने कहा कि जिसमें झांकिया, ढोल, तोप द्वारा फूल व गुलाल की बारिश विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। साथ ही फायर फायटर से रंगों व फूलों की बरसात भी की जाएगी। बैठक में तीन छत्री बालाजी के महंत श्री रामकिशोरदासजी, पं. दिलीप शर्मा, भानुप्रताप सिसौदिया, बंशीलाल टांक, राजाराम तंवर, सत्येन्द्रसिंह सोम, हिम्मत डांगी, प्रवीण शर्मा, सुरेश भावसार, जितेन्द्र गेहलोद, प्रहलाद पिंटू शर्मा, श्याम पहलवान, लोकेश ठाकुर, विनोद मेहता, वासुदेव माली, मुकेश कुमावत, प्रदीप बैरागी, आर्यन सोनगरा, अभिषेक कोठारी, ओम सोनी, विरेन्द्र गेहलोद, जितेन्द्र डोडिया, लखन चुडेलिया, वासुदेव माली, पंकज माली, ललित राठौर, रोहित चौहान, पियुष चौहान, विनोद माली, प्रदीप सिगलीकर, विनोद चौहान, अरिहंत भावसार, दीपकराव मराठा, बाबू देवडा,सन्नी, मनोज कहार, बंटी कहार, रामू बथमी, गोविन्द कहार, अनील कसेरा, सुनील सौलंकी, महावीर जैन, लोकेश सोनी, मनोहर, अभिषेक कोठारी, रवि परमार, यशु सिसौदिया, हर्ष देवडा, मांगुसिंह गौड, हेमन्त ग्वाला, दीपक देतवाल, अंकित प्रजापति, लाला बंजारा, मंगल फतरोड, मोनू पाटीदार, सोनू कुमावत, राजू सोनी, विजय सोनी सहित सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक का संचालन जितेन्द्र गेहलोद ने किया एवं आभार नगर अध्यक्ष गणपत कुमावत ने माना।

सीईओ द्वारा नलजल योजना हस्तांतरित नहीं करवाने पर...

ग्राम पंचायत जाट के सरपंच को धारा 40 के तहत नोटिस जारी

नीमच, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत सी.ई.ओ.श्री अमन वैष्णव ने ग्राम पंचायत जाट ने 106.95 लाख लागत की नवनिर्मित रेट्रोफिटिंग नलजल योजना, विधिवत ट्रायलरन अवधि जनवरी 2023 में पूर्ण कर लेने और पिछले दो वर्षो से ग्राम पंचायत द्वारा योजना का संचालन करने के उपरांत भी इस योजना को हस्तांतरित नहीं करने पर सरपंच, सचिव को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया हैं। इस संबंध में जारी नोटिस में बताया गया, कि क्यों न धारा 40 के तहत ग्राम पंचायत जाट के सरपंच के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावे। इस संबंध में 5 मार्च को समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश सरपंच ग्राम पंचायत जाट श्री लालुराम को दिए गए हैं। इसके साथ ही ग्राम पंचायत जाट के सचिव श्री प्रेमचंद माली को म.प्र.सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के तहत कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है, कि उन्हें क्यों न निलंबित कर, उनके विरूद्ध विभागीय जाँच संस्थित की जाए। इस संबंध में सचिव श्री माली को 5 मार्च 2025 को समक्ष में उपस्थित होकर, अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

विद्या भारती की शैक्षिक व्यवस्थाओं पर आधारित समर केम्प 01 से

पिपलियामंडी, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर के सरस्वती शिशु मंदिर मे आगामी 1 अप्रेल से 30 अप्रेल तक विद्या भारती की 12 शैक्षिक व्यवस्थाओ पर आधारित समर केम्प आयोजित होगा! इस केम्प का आगामी 1 अप्रेल को भव्य शुभारम्भ भी होगा! इस समर केम्प मे 2 वर्ष से 8 वर्ष तक के बच्चे भाग ले सकते है! इस केम्प मे इन विषयों पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित होगी जिसमे बच्चों को पूरा आनंद आएगा! उक्त समर केम्प मे!

1- क्रीडागन- 1 से 3 अप्रेल 2- चिडियाघर- 4 से 5 अप्रेल 3 - तरणताल- 7 से 9 अप्रेल 4 - विज्ञान प्रदर्शनी- 11 से 12 अप्रेल 5 - रंगमंच - 15 से 17 अप्रेल 6- वस्तु संग्राहलय - 19 अप्रेल 7 - आदर्श घर - 21- 22 अप्रेल 8 - चित्र पुस्तकालय - 23 अप्रेल 9 - बगीचा - 24 अप्रेल 10- विज्ञान प्रयोगशाला - 25 अप्रेल 11- कलाशाला- 26 अप्रेल 12 - कार्यशाला - 28-29 अप्रेल तक आयोजित होंगी एवं 30 अप्रेल को समापन हुआ समस्त अभिभावक भैया बहिनों का जन्म प्रमाण पत्र एवं 1 फोटो के साथ विद्यालय मे आकर पंजीयन करवा सकते है!

स्वरोजगार योजनाओं में समुदाय विशेष एवं दिव्यांग हितग्राहियों के लिए न्यूनतम 10-10 प्रति. लक्ष्य निर्धारित करें-चंद्रा

नीमच, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सभी विभाग शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं में आगामी वित्तीय वर्ष के लिए इसी माह लक्ष्यों को निर्धारित कर लें और समुदाय विशेष व दिव्यांग हितग्राहियों के लिए न्यूनतम 10-10 प्रतिशत लक्ष्य तय कर, प्रथम त्रैमास में हितग्राहियों को लाभांवित करना सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक में सभी जिला अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला पंचायत सी.ई.ओ.श्री अमन वैष्णव, ए.डी.एम.श्रीमती लक्ष्मी गामड, सभी एस.डी.एम. एवं डिप्टी कलेक्टर्स तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने निर्देश दिए कि महिला एवं बाल विकास विभाग के सेक्टर सुपरवाईजर मेम एवं सेम श्रेणी के बच्चों को एनआरसी में भर्ती करवाना सुनिश्चित करें। किसी भी एनआरसी में निर्धारित सीटों से कम बच्चें ना रहे। एनआरसी से डिस्चार्ज होने पर शेष रिक्त सीटों पर बच्चों को अनिवार्य रूप से भर्ती करवाए। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी प्रतिदिन एनआरसी में भर्ती बच्चों की संख्यो व रिक्तए सीटों की जानकारी लें और प्रतिदिन बच्चों को मैदानी अमले के माध्यम से एनआरसी में भर्ती करवाए। उन्होने जिला नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे ग्राम पंचायतों के भ्रमण दौरान आंगनवाडी केंद्रों का निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें और यह देखे, कि आंगनवाडी केंद्रों में दो समय बच्चों को नाश्ता एवं गर्म पक्का भोजन मिल रहा है, या नहीं सभी बच्चों का टीकाकरण हुआ है या नहीं। बच्चो की उपस्थिति नियमित रूप से दर्ज संख्या के अनुरूप है, या नहीं इस संबंध में निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कलेक्टर श्री चंद्रा ने लोक स्वा.यां.विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए, कि वे आगामी ग्रीष्मकाल में संभावित पेयजल संकट के समाधान के लिए पंचायत वार,ग्रामवार कार्ययोजना बनाकर, एक सप्ताह में प्रस्तुत करें। साथ ही यह सुनिश्चित करें, कि ग्रीष्मकाल में किसी भी ग्राम में किसी भी कारण से पेयजल संकट उत्पन्न ना हो।

एमपी पीएससी सेट परीक्षा में गणित विषय के 05 विद्यार्थियों का चयन

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्रभारी प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे ने जानकारी देते हुएं बताया कि म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित महाविद्यालयीन सेवा में सहायक प्राध्यापक हेतु राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षा (एम.पी. सेट) में गणित विषय के 5 विद्यार्थी कु. आयुषी जेठानिया, शाहिन पठान, कु. नंदिता धनोतिया, कुणाल लवाणी एवं मोनिका कुमावत का चयन हुआ है। डॉ. दुबे ने आगे जानकारी देते हुएं बताया कि कु. आयुषी जेठानिया, शाहिन पठान एवं कुणाल लवाणी का पूर्व में शासकीय सेवा में भी चयन हुआ है। महाविद्यालय की स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री नरेश जी चंदवानी, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे, विभागाध्यक्ष डॉ. टी.के. झाला एवं महाविद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

दशपुर की धरा पर आज गूंजेंगे संतूर के सुर

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। दुर्लभ वाद्य वादन श्रेणी में पुरस्कृत देश की पहली महिला संतूर वादक विदुषी डॉ वर्षा अग्रवाल आज 5 मार्च को डाइट कॉलेज मंदसौर एवं नवोदय विद्यालय लदूना(सीतामऊ) में संतूर के सुर बिखेरेंगी। पद्मश्री पंडित भजन सपोरी की शिष्या डॉ अग्रवाल अब तक अमेरिका, कनाडा, यूरोप और दुबई सहित साठ देशों में अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं। सन् 2018 में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से फर्स्ट लेडी आफ संतूर तथा सन् 2019 में अंतरराष्ट्रीय संगीत शिरोमणि सम्मान सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित इस कलाकार का मंदसौर जिले में यह पहला कार्यक्रम होगा। इनके साथ पंडित ललित महंत जी तबले पर संगत करेंगे

स्पिक मैके मंदसौर चेप्टर के समन्वयक अजय डांगी ने उक्त कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि स्पिक मैके द्वारा आयोजित संगीत की विभिन्न कार्यशालाओं को मंदसौर जिले में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है जिससे जिले के विद्यार्थियों एवं अन्य संगीत प्रेमियों की संगीत के प्रति रूचि में अभिवृद्धि होगी।

नंदराम कालोनी में सीसी रोड़ निर्माण कार्य का भूमिपूजन

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा कल वार्ड क्र. 22 में नंदराम कॉलोनी में राज्यसभा सांसद निधि से होने वाले सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने राज्यसभा सांसद निधि से 5.80 लाख रू. की राशि इसके लिये आवंटित की है। कल इसी निधि से होने वाले सीमेंट क्रांकीट रोड के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर के मुख्य आतिथ्य, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर की अध्यक्षता एवं भाजपा दक्षिण मण्डल अध्यक्ष श्री विनोद डगवार, उत्तर मण्डल अध्यक्ष श्री अरविन्द सारस्वत, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती निर्मला गुप्ता, शा. महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी के विशेष आतिथ्य में यह भूमिपूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद व नपा राजस्व समिति सभापति श्रीमती कौशल्या प्रहलाद बंधवार, लोक निर्माण सभापति श्रीमती निर्मला चंदवानी, समाजसेवी नरेन्द्र बंधवसार, पूर्व पार्षद रामप्रसाद सुरा, भाजपा नेता कन्नु कुमावत, लक्ष्मण पुरस्वानी, मुकेश घोडेला, आजाद कुमावत, राजू कुमावत, निलेष व्यास, रमेश घोडेला, विनोद कुमावत, अनिल सौलंकी, अशोक विजय कुमावत, वासुदेव त्रिवेदी, गणपत कुमावत, विजयसिंह परिहार देवांश कुमावत, योगेन्द्र व्यास, प्रदीप झांझरी, पार्षद प्रतिनिधि नंदलाल गुजरिया, पार्षद गोवर्धन कुमावत, दीपक गाजवा, राजेश सोनी ऐरावाला, विक्रम भैरवे, आशीष गौड़, कमलेश सिसौदिया, नपा कार्यपालन यंत्री पीएस धारवे, समयपाल पंकज साकी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वार्ड नं. 36 घोडेला कॉलोनी को मिलेगी सीसी रोड़ की सौगात– मंगलवार को नपा परिषद मंदसौर के द्वारा वार्ड नं. 36 में दिवाक माता मंदिर के सामने घोडेला कॉलोनी में राज्यसभा सांसद निधि से होने वाले सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। लगभग 6.50 लाख रू. की राशि राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने उक्त कार्य हेतु आवंटित की है। कल इसी के निमित्त घोडेला कॉलोनी में सीसी रोड निर्माण कार्य को प्रारंभ करने हेतु भूमिपूजन किया गया। राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर के मुख्य आतिथ्य, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर की अध्यक्षता एवं भाजपा दक्षिण मण्डल अध्यक्ष श्री विनोद डगवार, उत्तर मण्डल अध्यक्ष श्री अरविन्द सारस्वत, शा. महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी के विशेष आतिथ्य में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। राज्यसभा सांसद श्री गुर्जर ने कहा कि विकास के मामले में नपा परिषद किसी से पीछे नहीं है। करोडों रूपये के कार्य नपा ने मंदसौर नगर में कराये है। कॉलोनियों को वैध करने का कार्य म.प्र. की सरकार ने कर दिया है। नागरिकगण अपने भूखण्ड का विकास शुल्क जमा कराकर विकास में भागीदार बने जो भी नागरिक शुल्क जमा करेंगे उन्हें भवन निर्माण अनुमति, बैंक लोन जैसी सुविधायें मिलेगी। कार्यक्रम में नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर, भाजपा मण्डल अध्यक्ष श्री डगवार, श्री सारस्वत ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में नपा सभापति श्रीमती निर्मला चंदवानी, निलेश जैन, पार्षद गोवर्धन कुमावत, सुनीता भावसार, कमलेश सिसौदिया, राजेश सोनी ऐरावाला, दीपक गाजवा, विक्रम भैरवे, युसुफ गौरी, आशीष गौड़, भाजपा नेता पुष्कर अहिरवार, मोहन मारीवार, पूर्व पार्षद भेरूलाल अन्यावडा, कुमावत समाज अध्यक्ष राधेश्याम बरानिया सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सोमयज्ञ की चल रही है व्यापक तैयारियां, टोलियां कर रही है घर-घर संपर्क

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आगामी अप्रैल माह में नगर के मध्य कालाखेत मैदान में आयोजित होने वाले विराट सोम यज्ञ की तैयारियां आयोजन समिति के द्वारा निरंतर की जा रही है। पूज्य वैष्णवाचार्य गोस्वामी पद्मभूषण डॉ. गोकुलोत्सव जी महाराज इंदौर और गोस्वामी वैष्णवाचार्य डॉ. व्रजोत्सव जी महाराज के मुख्य आचार्यत्व में यह विराट महायज्ञ 13 से 18 अप्रैल तक 6 दिन काला खेत प्रांगण में होगा। नगर में पहली बार पुष्टिमार्गीय पद्धति के आधार पर होने जा रहे इस सोम यज्ञ में तेलंगाना और दक्षिण भारत के अन्य प्रांतों से आने वाले विशेषज्ञ विद्वान ब्राह्मण आचार्यों के द्वारा यज्ञ के विधान को पूरा कराया जाएगा। 6 दिनों तक चलने वाले इस महायज्ञ में प्रतिदिन चार पालियां होगी 21 वेदियां बनाई जाएगी। प्रत्येक वेदी पर चार जोडे बैठेंगे एक घी की आहूति और तीन जोडे समिधा की आहूति देंगे। आयोजन समिति द्वारा गठित विभिन्न टोलियां नगर वासियों से सोमयज्ञ में सम्मिलित होने का आह्वान करने हेतु संपर्क में लगी हुई है।

राजकोट गुजरात के प्रमुख व्यवसायी श्री हितेश भाई पोपट ने गत दिवस मंदसौर प्रवास के दौरान बताया कि सोम यज्ञ के पूर्व जो सोम कलश यात्रा निकाली जाती है उसमें अखंडित चावल यानी अक्षत रखे जाते हैं फिर उन्हें विद्वान आचार्यों द्वारा अभिमंत्रित कर द्वितीय दिवस यज्ञ में बैठने वाले यजमानों और श्रद्धालुओं पर बरसाए जाते हैं। यह अक्षत हमारी हर मनोकामना पूरी करते हैं जीवन की हर समस्या ओर कष्टें को दूर करते हैं। यह जानकारी जीतू भाई पारिख ने दी है।

नारी तू नारायणी कार्यक्रम के तहत सम्मान समारोह 9 को

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच महिला शाखा मंदसौर द्वारा 'नारी तू नारायणी' कार्यक्रम के तहत समाज में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली एक सो मातृशक्ति को सम्मानित किया जाएगा।

अखिल भारतीय मारवाडी युवा मंच महिला शाखा की ओर से 9 मार्च रविवार को सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसमें मंच ने एक नवाचार करते हुए समाज में स्वालंबी महिलाओं, घरेलू कामकाजी महिलाओं, आंगन वाडी साहिकाओ, आशा उषा कार्यकर्ता के साथ ही समाज में रचनात्मक कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। इस आशय की जानकारी देते हुए महिला शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी अनिल अग्रवाल, सचिव श्रीमती किरण गणेश सोनगरा प्रोजेक्ट चेयर मेन अर्चना संतोष गोयल, प्रिया विवेक पालीवाल ने बताया की मारवाडी युवा मंच मंदसौर द्वारा 9 मार्च रविवार को नगरपालिका सभागार में दोपहर 3 बजे से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मंच अध्यक्ष श्रीमती रानी अग्रवाल ने महिला दिवस को मनाने का उद्देश्य बताते हुए कहा कि महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाना और महिलाओं में समानता के लिए जागरूकता बढाना है। इसलिए अपने हुनर ओर मेहनत के बल पर स्वालम्बी बनकर कार्य करते हुए परिवार का लालन पालन करने वाली महिलाओं का सम्मान किया जाएगा।

डोडाचूरा तस्करी के आरोपियों को 10-10 वर्ष का सश्रम कारावास

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अतिरिक्ति विशेष न्या-याधीश महोदय, (एन.डी.पी.एस.) मंदसौर द्वारा आरोपीगण दशरथ गिर उर्फ गोस्वा।मी पिता बाबु गिर उम्र 23 वर्ष एवं समरथ पिता नन्दु, गिर उर्फ गोस्वाीमी, उम्र 31 वर्ष, दोनों निवासीगण- ग्राम राणाखेडा, तहसील व जिला-मन्दसौर (म.प्र.) को अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्करी करने के अपराध में दोषी पाते हुए 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास से दण्डित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा घटना के संबं?ध में बताया कि दिनांक 24.08.2017 को थाना पिपलियामंडी में पदस्थं उप निरीक्षक संजीव परिहार को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम राणखेडा के समरथ गोस्वाभमी व दशरथ गोस्वांमी एक नीले रंग की मारूति 800 कार क्रमांक एमपी- 09 एच.सी.-1494 में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा भरकर मंदसौर से नीमच की तरफ किसी बहारी तस्कर को देने जाने वाले है, यदि तत्काकल हाईवे रोड पर नाकाबंदी की जावे तो दोनों तस्क्रों को मय अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा सहित पकडा जा सकता है, उक्त सूचना विश्वनीय होने से बही फंटा हाईवे रोड पर नाकेबंदी की गई, कुछ देर बाद मुखबिर के बताये नंबर की कार आती हुई दिखी जिसे फोर्स की मदद से रोका गया, कार में बैठे व्यक्तियों ने अपना नाम दशथ गोस्वाबमी एवं समरथ गोस्वाीमी, निवासी- राणाखेडा थाना अफजलपुर, जिला मंदसौर का होना बताया तत्पश्चात उपनिरीक्षक संजीव परिहार द्वारा आरोपियों की मारूति कार की तलाशी ली गई तो उसमें चार काले रंग के प्ला स्टिक के कटटे रखे थे जिन्हेंप खोलकर देखने पर उनके अंदर मदार्क पदार्थ डोडाचूरा भरा हुआ पाया गया था, उक्त मादक पदार्थ परिवहन के संबंध में आरोपियों से पूछे जाने पर कोई वैध लाईसेंस न होना बताया। उक्त डोडाचूरा का तौल करने पर कुल वजन 76 किलो होना पाया गया, मौके पर ही आरोपियों को गिरफ्तार कर गिरफ्तारी पंचनामा बनाया गया, आरोपीयों के विरूद्ध पुलिस थाना पिपलियामंडी में अपराध क्रमांक 277/2017, धारा 8/15 एन.डी.पी.एस. की एफ.आई.आर. लेखबद्व कर प्रकरण विवेचना में लिया गया एवं अनुसंधान पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान प्रकरण में न्यायालय के समक्ष अभियोजन द्वारा रखे गये तथ्यों एवं तर्कों सें सहमत होकर माननीय न्यायालय द्वारा आरोपीगण को दोषसिद्व किया। प्रकरण में अभियोजन का सफल संचालन विशेष लोक अभियोजक श्री दीपक जमरा द्वारा किया गया।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी समस्याएं

नीमच, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टरर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए 95 आवदेकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए। इस मौके जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, एसडीएम श्री संजीव साहू, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेडे, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना, सुश्री रश्मि श्रीवास्तव एवं श्री चंद्रसिह धार्वे सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में पावटी के शिवलाल धनगर, कोटडी ईस्तमुरार के श्यामदास, रतनपुरा के नानालाल गुर्जर, कुमारियाँ विरान के कुशप्रकाश सैनी, बंगला नं.32 के गोविंद सिह, उम्मेदपुरा के दिनेश छीपा, भाटखेडा के बगदीराम, आलोरी गरवाडा के झुमाबाई, धोकलखेडा के रामरतन जाट, चल्दू की ललिताबाई, चम्पी हरिदास, अडमालिया के जगदीशदास, अठाना के अशफाक हुसैन, हरनावदा के चांदमल, नगरपालिका नीमच के नरेन्द्र कुमार जैन, बंगाली कॉलोनी ग्वालटोली नीमच के कमल प्रजापति आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधी आवेदन प्रस्तुात किए। जनसुनवाई में बरूखेडा के देवीलाल माली, अहीर मोहल्ला बघाना के राकेश अहीर, मनासा के यश चौहान, बिसलवासकलां के गौवर्धननाथ, ग्वा लटोली के प्रकाश यादव, लुहारिया जाट के भेरूलाल गुर्जर, मनासा की भगवंती बाई, बघाना की कलाबाई, आंत्री बुजुर्ग के इशाक मोहम्मद, गोविंदपुरा के चांदमल, त्रिवेणी नगर मनासा की शीला जाम्भुलकर, मोडी के गोविंद धनेरिया रोड बघाना की एश्वर्या, सिंगोली की मांगीबाई प्रजापत, पिपल्यारावजी की दुर्गाबाई, मालखेडा के दिनेश धाकड ने भी अपना आवेदन प्रस्तुत कर, अपनी समस्याएं सुनाई।

शिक्षक कर्मचारी प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रधान मंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के प्राचार्य डॉ जे एस दुबे ने बताया कि कॉलेज के खेल विभाग द्वारा उच्च शिक्षा विभाग की संभाग स्तरीय शिक्षक कर्मचारी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अंतर्गत 4 खेलों बैडमिंटन, शतरंज, टेबल टेनिस और लॉन टेनिस के मैच खेले गए। कॉलेज के खेल अधिकारी राजू कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उज्जैन संभाग के सभी 7 जिलों से प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ वी पी तिवारी, डॉ टी के झाला एवं अन्य प्राध्यापकों ने सभी प्रतिभागियों के स्वागत किया। प्रतियोगिता के मैच खेल विभाग एवं शहर के युवराज क्लब में खेले गए। समापन समारोह में कॉलेज के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री नरेश जी चंदवानी, प्रभारी प्राचार्य डॉ एस पी पंवार ने उपस्थित होकर सभी विजेता खिलाडियों को पुरस्कृत किया और शुभकामनाएं दी।

सीए फाउण्डेशन व इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणाम घोषित

अर्पण पोरवाल रहे मंदसौर में प्रथम

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जनवरी 2025 में आयोजित सीए फाउण्डेशन व सीए इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणाम 4 मार्च को घोषित हुए। सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में अर्पण पोरवाल मंदसौर में प्रथम स्थान पर रहे।

मन्दसौर सीए ब्रांच के चेयरमेन सीए राजेश मंडवारिया ने जानकारी देते हुए बताया कि सीए फाउण्डेशन में 106 विद्यार्थी मन्दसौर केन्द्र से परीक्षा में सम्मिलित हुए थे जिसमें से 25 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किये गये। इस प्रकार मन्दसौर केन्द्र से सफल विद्यार्थियों का प्रतिशत लगभग 24 प्रतिशत रहा। अखिल भारतीय स्तर पर सफलता का प्रतिशत 21.52 प्रतिशत रहा। इंटरमीडिएट परीक्षा में मन्दसौर केन्द्र से दोनों ग्रुप में 43 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे, जिसमें से 7 विद्यार्थी दोनों ग्रुप में सफल घोषित किये गये। अखिल भारतीय स्तर पर दोनों ग्रुप का सफलता का प्रतिशत 14.05 रहा वहीं मन्दसौर का

सफलता प्रतिशत 16.28 रहा। अपर्ण पोरवाल पिता श्री आशीष पोरवाल कडा वाला ने 600 में से 423 अंक प्राप्त कर मन्दसौर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इंटरमीडिएट प्रथम ग्रुप में 43 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे जिसमें से 10 विद्यार्थी सफल घोषित किये गये। अखिल भारतीय स्तर पर सफलता का प्रतिशत 14.17 रहा जबकि मन्दसौर का सफलता का प्रतिशत 23.26 रहा। इंटरमीडिएट द्वितीय ग्रुप में 21 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे जिसमें से 8 विद्यार्थी सफल घोषित किये गये। अखिल भारतीय स्तर पर सफलता का प्रतिशत 22.16 रहा वहीं मन्दसौर का सफलता का प्रतिशत 38.10 प्रतिशत रहा। विद्यार्थियों को मन्दसौर ब्रांच के चेयरमेन सीए राजेश मंडवारिया, उपाध्यक्ष सीए विनय अग्रवाल, सचिव सीए नीतेश भदादा, कोषाध्यक्ष सीए अर्पित नागर, सीपीई कमेटी चेयरमेन सीए सिद्धार्थ अग्रवाल व मैनेजिंग कमेटी सदस्य सीए अर्पित मेहता ने बधाई दी। उक्त जानकारी ब्रांच के सचिव सीए नितेश भदादा ने दी।

गणपति चौक में आज होगा भंडारा

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। श्री रिद्धि सिद्धि उत्सव समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री चिंताहरण गणपति जी का 14वां विशाल भंडारे का आयोजन आज 5 मार्च बुधवार को गणपति चौक जनकूपुरा में होने जा रहा है। भंडारे की संपूर्ण तैयारी कर ली गई है।

श्री रिद्धि सिद्धि उत्सव समिति के अध्यक्ष सुनील बंसल और संरक्षक पं. दिलीप शर्मा ने बताया कि 5 मार्च बुधवार को सायंकाल 4.30 बजे गणपति चौक में श्री द्विमुखी चिंताहरण गणपति जी की महाआरती की जाएगी। मंदिर को आकर्षक पुष्पों की मालिकाओं से सुसज्जित किया जाएगा। महाआरती के पश्चात कन्या पूजन और कन्या भोज से भंडारे का शुभारंभ होगा जो प्रभु इच्छा तक चलेगा। उन्होंने बताया कि गत रविवार को इस विशाल भंडारा आयोजन की तैयारी संबंधी एक वृहद बैठक संपन्न हुई थी जिसमें विगत वर्ष के आय व्यय का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया था। सोमवार को भट्टी पूजा की गई। उल्लेखनीय है कि जनकुपूरा के सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से श्री रिद्धि सिद्धि उत्सव समिति के तत्वावधान में विगत 13 वर्षों से विशाल भंडारे की परंपरा सफलतापूर्वक चल रही है। प्रतिवर्ष लगभग 25 हजार श्रद्धालु भंडारा प्रसादी का लाभ लेते हैं।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	19	2180	2461
उडद	11	4699	6000
सोयाबीन	3132	3400	4101
गैहु	7500	2324	2920
चना	340	4570	5500
मसुर	260	5001	5972
धनिया	820	5100	7401
लहसुन	20000	5000	8500
मैथी	347	4444	5300
मुंगफली	900	4001	4992
अलसी	760	5400	5980
सरसो	1160	4701	5576
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	60	9090	12600
प्याज	1469	851	2121
कलोंजी	2	14581	14581
तुलसी बीज	0000	0000	0000
डॉलर	20	3500	7270
तिल्ली	6	7200	8800
जौ	150	2020	2200
मटरसुखी	10	2360	4300
असालीया	141	6200	6800
चियाबीज	51	9600	13551

होली ही नही अब शवदाह भी कंडो से ही किया जाए...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। बसंत पंचमी के बाद से ही शीत कम होती गई हे और अब देशवासियो का मन होलिका दहन उत्सव के लिए तैयार हो रहा हे। होली पर प्रतिवर्ष लाखो क्विंटल लकड़ी जलाना चिंताजनक हे। जबकि पुराने जमाने में घर घर से लकडी लेकर होलिका दहन की प्रथा थी। अब समय आ गया हे की प्रत्येक क्षेत्र को मिलाकर सामूहिक होलिका दहन किया जाए। दूसरा विकल्प यह भी हे की अपना देश कृषि और पशुधन की अपार संपदा से भरा पूरा हे। यन्हा पशुधन के बहुतायत में होने से पर्याप्त गोबर होता हे। मध्यप्रदेश गोपालन और संवर्धन बोर्ड के अनुसार मध्यप्रदेश में पशुधन से रोजाना 15 लाख किलो गोबर निकलता हे। इसलिए लकडी के स्थान पर कंडो की होली जलाकर एक सामाजिक सरोकार की पहल व्यापक तोर पर की जानी चाहिए। वैज्ञानिक आधार पर भी लकडी के स्थान पर कंडे से होलिका दहन के कई लाभ हे। इस बार की होली विशिष्ट हो इसके लिए संपूर्ण समाज को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इसका स्पष्टकारण यह हे की आम जनमानस इस बार होलिका दहन में लकडी के स्थान पर गोबर से बने कंडो का प्रयोग करने को उत्सुक दिख रहा हे। यह बदलाव सामान्य नही बल्कि बहुत विशेष हे। क्योंकि इस एक बदलाव भर से परंपराओ का क्षरण हुए बिना पर्यावरण संरक्षण हो सकेगा। समाज को इस बदलाव को सहर्ष स्वीकार करना भी चाहिए। भारतीय संस्कृति का समृद्ध इतिहास कहता हे की जब जब जनमानस ने किसी बदलाव को आत्मसात किया हे वह सामाजिक आंदोलन बन गया हे और उस बदलाव में न तो हमारे उत्सवप्रिय भारतीय जनजीवन की परंपराएं समाप्त हुई और न ही अन्य कोई हानि हुई। उल्टे ऐसे क्रांतिकारी बदलावो से समाज, देश व धर्म का हित ही हुआ हे। कंडो की होली जलाना और उसमे लकडी का प्रयोग न करना इसी तरह की एक क्रांति हे। होलिका दहन ही नही बल्कि शव का दहन भी लकडियो से न करते हुए गोबर से निर्मित कंडो से किया जाना चाहिए। इस पहल को समाज की और से सहयोग मिले इसका सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। सभी धार्मिक और सामाजिक संगठनो को भी इस विषय पर जागरूकता बड़ाने का प्रयास करना चाहिए। आज भी देश में कुछ स्थान ऐसे हे जन्हा शवदाह कंडो से ही किया जाता हे। इससे एक तरफ तो गोमाता का स्वत: संरक्षण हो जाता हे और दूसरी तरफ वनो के कटाव में भी अपेक्षाकृत कमी आती हे। मोटे तोर पर एक शव के दाह में करीब डेढ से दो क्विंटल लकडी लगती हे और पांच लाख तक की आबादी वाले नगर में प्रतिदिन औसतन छ से सात शवदाह होते हे ऐसे में पूरे प्रदेश में केवल शवदाह में ही सैकडों क्विंटल लकडी प्रतिदिन जला दी जाती हे। यदि इस लकडी के स्थान पर कंडो से ही शवदाह किया जाए तो यह सैकडों क्विंटल लकडी तो बचेगी ही इसके स्थान पर जलने वाले हजारो कंडो के कारण उनकी खपत बडेगी। निश्चितरूप से इन कंडो की आपूर्ति गोशालाओ या ग्रामीण क्षेत्रो से होगी ऐसे में कंडो को खरीदने में लगा पैसा या तो गोशालाओ के पास पंहुचेगा या कमजोर आर्थिक स्थिति वाले ग्रामीणो के पास। निश्चितरूप से इससे गोमाता, किसानो, गोशालाओ, ग्रामीणों के भले के साथ साथ उस दिवंगत आत्मा और उसके परिवार को भी पुण्य मिलेगा। यह पहल परोपकारी एवम सराहनीय हे और भारत की संस्कृति के मूल विचार को वास्तविक सम्मान देती हुई हे। अब जिम्मेदारी सभी समाजो की हे की इस पहल पर गैर जरूरी प्रश्न न खडे करते हुए इसके सहयोगी बने।

गौरव सोनी, मंदसौर

सोम यज्ञ के संदर्भ में.....

'सोम-यज्ञ' श्रेष्ठहै पर सभी यज्ञों में 'ज्ञान- यज्ञ' ही बड़ा होता है

'अपने धर्म का पालन करना भी यज्ञ है...'

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आगामी अप्रैल माह में मंदसौर में एक विशाल सोम यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जो मंदसौर के सांसद श्री सुधीर गुप्ता के नेतृत्व सहित अन्य सहयोगी सदस्यों के प्रयासों से संपन्न किया जाएगा।

वर्तमान युग कलियुग है, शास्त्र के अनुसार तीन बडे यज्ञ होते हैं जिन्हें 'याग' कहा जाता है। अश्वमेध यज्ञ, राजसूय एवं सोम यज्ञ। चूँकि इस युग में अश्वमेध यज्ञ और राजसूय की कोई संभावना भी नहीं है और उसका कोई औचित्य भी नहीं है किंतु सोम यज्ञ आसपास के परिवेश को इतना शुद्ध करता है ताकि प्राणी मात्र को अच्छा स्वास्थ्य मिल सके। परंतु पाप के सागर से केवल ज्ञान की नौका ही पार लगा सकती है। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ज्ञान देते हुए कहा कि- अलग-अलग लोग, यज्ञ की परिभाषा भी अलग-अलग करते हैं। हे पार्थ! कुछ लोगों के लिए 'यज्ञ' ब्रह्म का स्वरूप है, उनके लिए सब कुछ ब्रह्म है। कुछ लोग देवताओं को प्रसन्न करने के लिए यज्ञ करते हैं तो उनके लिए पूजा ही यज्ञ है। कुछ साधक आत्मा को परमात्मा से मिलाने की साधना को यज्ञ कहते हैं, इन्हीं यज्ञों की भांति इनमें दी जाने वाली आहुतियां भी अलग-अलग प्रकार की है, कोई धन की आहुति देता है, तो कोई कर्म की, किंतु वास्तव में यज्ञ चार प्रकार के हैं, पहला 'द्रव्य यज्ञ' है इसमें अर्जित द्रव्य और धन को समाज के कल्याण के कार्यों में लगाया जाता है अर्थात यह 'लोक सेवा यज्ञ' है। दूसरा 'तपोयज्ञ' है, जब कोई अपने कर्म को अपनी तपस्या बना लेता है तो उसका जीवन तपो यज्ञ बन जाता है।

हे पार्थ! अपने धर्म का पालन भी यज्ञ है किंतु यह धर्म सांप्रदायिक नहीं होकर सनातन है। यह व्यक्ति और समाज दोनों ही के लिए कल्याणकारी है। तीसरा यज्ञ 'योग' है इसमें अष्टांग योग की साधना की जाती है और इसमें लोग ध्यान और समाधि का मार्ग अवलंब करते हैं, प्राणों का प्राणों में हवन किया जाता है और चौथा यज्ञ है 'ज्ञान- यज्ञ' यूं तो चारों ही यज्ञ महत्वपूर्ण है परंतु श्रेष्ठतम है, 'ज्ञान-यज्ञ', क्योंकि ज्ञान ही तो अच्छे और बुरे में अंतर करता है और मनुष्य को अपनी अग्नि में तपाकर कर्मों को शुद्ध करता है और शुभ बनता है। ज्ञान ही तो कर्म के उत्कर्ष का चरम बिंदु है और ज्ञान ही तो तुम्हें मोह बंधनों से मुक्त कराएगा। हे पार्थ! पाप के सागर को केवल ज्ञान की नौका ही पार करा सकती है। यज्ञ की उक्त महिमा को जानकर, हम जो यज्ञ कुंड बनाकर आहुतियां डालते हैं, वह वास्तव में लौकिक व्यवहार है किंतु असली यज्ञ तो वही है जिसकी व्याख्या उपरोक्त प्रकार से भगवान श्री कृष्ण ने की है।

सोम यज्ञ:- सोम यज्ञ, राजसूय यज्ञ एवं अश्वमेध यज्ञ यह सामान्य यज्ञ से अत्यंत ही विशाल स्वरूप में आयोजित किए जाते हैं इसलिए इन्हें 'यज्ञ' के स्थान पर 'याग' कहा जाता है। ऐसा माना रहता है कि सोम यज्ञ प्रकृति के 'सृजन चक्र' को सहज रूप से चलने में मदद करता है और इसके माध्यम से मनुष्य सहित अन्य प्राणियों के लिए प्रचुर साधनों का वरदान मिलता है। आजकल स्थान- स्थान पर जो यज्ञ किए जाते हैं वे ब्रह्म यज्ञ है, वह सामान्यत: देवताओं को प्रसन्न करने के लिए किया जाता है। इन यज्ञों को कोई भी व्यक्ति या समूह आयोजित कर सकता है। इस कलयुग में अश्वमेध यज्ञ एवं राजसूय यज्ञ प्रासंगिक नहीं है, इसलिए बड़े यज्ञों की श्रेणी में एकमात्र 'सोम- यज्ञ' ही किया जा सकता है। सोम याग या यज्ञ एक ऐसा यज्ञ है जिसे 'अग्नि- सोमिया याग' भी कहा जाता है। अग्नि और सोम के बीच संतुलन बनाए रखना तथा पर्यावरण में गर्म और ठंडी दोनों ऊर्जाओं के संतुलित वातावरण में जडी बूटियों के दहन से अनेक पोषक तत्वों का निर्माण होता है। 'सोम यज्ञ' एक ऐसा यज्ञ है जिसमें सोमवल्ली (सोमवटी) नामक औषधीय जडी बूटी से हवन किया जाता है। यह सोमवल्ली सामान्यत: मध्य प्रदेश के रीवा , पन्ना, सतना सीधी, चित्रकूट और उसके आगे की जितनी भी पर्वत श्रेणियां है वहां उपलब्ध होती है तथा दक्षिण भारत के पर्वतों पर भी यह उपलब्ध होती है। उक्त के अतिरिक्त देसी गाय का घी, मूंगफली का तेल, गाय का गोबर जो सीधे सुख जाता अर्थात मालवी भाषा में अलूने कंडे ऐसी समिधा जिसका उल्लेख ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में किया गया है अर्थात जिस वृक्ष की लकडी कोयला नहीं बन सकती, वह समिधा के योग्य होती है। इसके साथ ही विभिन्न यज्ञ सामग्री सहित जो दंपत्ति यज्ञ कुंड पर बैठेंगे उन्हें एक सप्ताह पूर्व से ही ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना पडेगा। धन की पवित्रता और मन की पवित्रता दोनों ही इस यज्ञ को सार्थक करेगी अन्यथा इसके दुष्परिणाम यज्ञ से संबंधित प्रत्येक घटक को किसी ने किस रूप में भोगना पडेगा। 'सोम यज्ञ' कांटों का पथ है और संपूर्ण राह कांटों से भरी है, इसे कुशलता से लांघना है क्योंकि यह यज्ञ लोकमन पर पवित्र संस्कारों का उपक्रम हैं। इसलिए यह यज्ञ मंदसौर नगर ही नहीं आसपास के परिवेश को शुद्धता एवं स्वास्थ्य प्रदान कर सके, इस प्रकार के प्रयास किए जाने चाहिए।

रमेशचन्द्र चन्द्रे

सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्यों का समिति से स्थल निरीक्षण करवाए-सांसद गुप्ता

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक संपन्न

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सांसद श्री सुधीर गुप्ता की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति 'दिशा' की बैठक जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान सांसद श्री गुप्ता ने निर्देश देते हुए कहा कि मल्हारगढ़ दाब युक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्यों की समिति से स्थल निरीक्षण करवाए। किसानों को सिंचाई की सुविधा देने के साथ-साथ स्पिंगलर से किसान सिंचाई करें। इसके लिए प्रेरित करें। बैंक से लोन उपलब्ध करवाए। इसके लिए सहकारी बैंक कैंप भी लगाएऔर इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें। सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण एमओयू में शामिल गुणवत्ता के अनुसार होना चाहिए। बार-बार पाइपलाइन निकलने, पाइपलाइन फूटने जैसी शिकायतें प्राप्त नहीं होना चाहिए।

सिंचाई परियोजनाओं से वंचित शेष गांवों को भी परियोजनाओं से जोड़े तथा मंदसौर जिले में शत-प्रतिशत क्षेत्र में सिंचाई सुविधाउपलब्ध करवाए। परियोजनाओं से औद्योगिक उपयोग के लिए पानी का निर्धारण किया जाए। इसके साथ ही वन विभाग के साथ मिलकर वृक्षारोपण पर प्लान करें। किसानों को बास के पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें। बास के फायदे क्या होते हैं, इससे कैसे आर्थिक लाभ प्राप्त होता है इत्यादि के संबंध में किसानों को प्रशिक्षण भी प्रदान करें। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र, जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग मिलकर काम करें। बैठक के दौरान राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, मंदसौर विधायक विपिन जैन, सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, डीएफओ, अपर कलेक्टर सहित नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, श्री राजेश दीक्षित सहित दिशा समिति के सदस्य, जिलाधिकारी मौजूद थे।

राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि मंदसौर मेडिकल कॉलेज यूरोलॉजिस्ट स्पेशलिस्ट के क्षेत्र में कार्य करें। मंदसौर मेडिकल कॉलेज की देश में यूरोलॉजिस्ट के क्षेत्र में पहचान हो। मेडिकल कॉलेज में 150 सीट पर कार्य हो। इसके लिए आगामी कार्यवाही करें। जिला अस्पताल में वर्तमान में 700 बेड उपलब्ध हैं। अस्पताल की कैपेसिटी का पूर्ण उपयोग करें।

शिवना शुद्धिकरण प्रोजेक्ट में गुणवत्ता के साथ एप्को के नियम एवं शर्तों का पालन करें- शिवना शुद्धिकरण कार्य में अब तक 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। चैंबर निर्माण के साथ अन्य सभी कार्य गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। गंदा पानी शुद्धिकरण के लिए जो कार्य किया जा रहा है। उस कार्य को पीआईयू विभाग टेक्निकल तरीके से समझे। एसटीपी जो नगर पालिका निर्माण कर रही हैं पीआईयू के कार्य को इससे जोड़ सकते है। इसमें तकनीकी अनुसंधान करें। शुद्धिकरण कार्य को टेक्निकल रूप से अच्छे से समझे। आगामी दिनों में एप्को की बैठक बुलाए। शिवना शुद्धिकरण के कार्यों की हर तीन माह में एक बैठक आयोजित करें।

ट्रामा सेंटर के लिए भूमि चयनित करें- बैठक के दौरान निर्देश दिए गए कि ट्रामा सेंटर जिसका निर्माण किया जाना है। उसके लिए आगामी बैठक से पूर्व स्थल निरीक्षण करके भूमि का चयन करें। जिससे जल्दी-जल्दी ट्रामा सेंटर बन सके।

आगामी बैठक में सड़क निर्माण का एमओयू समिति के सामने रखें- सड़क निर्माण कार्यों के संबंध में विभागों को निर्देश दिए गए की सड़क निर्माण गुणवत्ता के साथ किया जाए। निर्माण कार्यों के जो मापदंड है उसके अनुसार सड़क निर्माण हो। साथ ही समय-समय पर सड़क निर्माण की जांच करवाए। सड़क के दोनों और शत प्रतिशत पौधारोपण करें। आगामी बैठक में सड़क निर्माण के लिए ठेकेदार और विभाग के मध्य जो एमओयू तय हुआ है, उसमें जो नियम और शर्तें होंती हैं, जो मापदंड तय होते हैं उनको समिति के समक्ष रखें। इसके साथ ही सड़क निर्माण एजेंसियों से सीएसआर मद से जन कल्याण के काम करवाए। उसकी जानकारी रखें। निर्माण कार्यों की जनप्रतिनिधियों से साथ स्थल निरीक्षण करवाए। आगामी समय में जितने भी सड़के जिनका निर्माण कार्य किया जाना है उनका जनप्रतिनिधियों को सूचित कर स्थल निरीक्षण करवाए। इसका पालन करें। शोल्डर की प्रॉपर मरम्मत करें। अपूर्ण कार्य करने वाले ठेकेदारों को नोटिस जारी कर उन पर कार्यवाही करें।

रेलवे के साथ विवादित सड़क निर्माण कार्यों की सूची भेजें- लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, एमपीआरडीसी, ब्रिज निर्माण विभाग को निर्देश दिए की ऐसे ब्रिज एवं सड़क निर्माण कार्य जो अधूरे हैं तथा रेलवे विभाग के कारण पूर्ण नहीं हो पा रहे है। ऐसे समस्त कार्यों की सूची प्रेषित करें। जिससे रेलवे के साथ बात करके उनका कार्य पूर्ण करवाया जा सके। ब्रिज निर्माण कार्य में तीव्रता लाए। संजीत रेलवे ब्रिज निर्माण में जो शेष है उसको जल्द पूर्ण करें। इसके साथ ही बैठक में खनिज, परिवहन, जल निगम, जेल, मत्स्य, कृषि, पीएचई, स्वास्थ्य विभाग आदि विभागों के कार्यों पर चर्चा की गई।

बजट में की गई वृद्धि का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए-डॉ.यादव

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय बजट में उद्घोषित नवीन योजनाओं तथा प्रचलित कार्यक्रमों में की गई वृद्धि के संदर्भ में अधिकारियों को दिए निर्देश

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा हैकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुसार गरीब, युवा, अन्नदाता और महिला सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इनके कल्याण के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों में केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट में प्रदेश के लिए की गई वृद्धि का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करते हुए गतिविधियां संचालित की जाएं। प्रदेश में वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया गया है, युवाओं में उद्यमिता विकास और कौशल उन्नयन के लिए संबंधित संस्थाओं में बाजार की आवश्यकता के अनुसार गतिविधियां संचालित की जाएं। ग्राम स्तर तक स्वास्थ्य सुविधा और शिक्षा व्यवस्था का संचालन संवेदनशीलता के साथ हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट में उद्घोषित नवीन योजनाओं में किए गए प्रावधानों तथा प्रचलित योजनाओं में की गई वृद्धि के दृष्टिगत प्रदेश की प्राथमिकताओं के अनुरूप विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के संबंध में अधिकारियों से समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के बड़े नगरों के आस-पास विद्यमान नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में सड़क, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सीवेज जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं का विकास इस दृष्टिसे किया जाए ताकि नगरों की जनसंख्या बढ़ने पर जनसामान्य का जीवन सुगम बना रहे। नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अतिरिक्त संसाधनों का उपयोग करते हुए प्रदेश को प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में आदर्श राज्य के रूप में विकसित किया जाए। इसके साथ ही कृषकों को मूंगफली, सरसों जैसी तिलहन फसलों और ग्रीष्मकालीन मूंग के स्थान पर अन्य वैकल्पिक फसलों को लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी सहित विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव तथा प्रमुख सचिव उपस्थित थे।

कलेक्टर, एडीएम ने जनसुनवाई के दौरान 76 आवेदकों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने 76 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। आवेदक आत्माराम एवं इनके पुत्र जो निवासी अरनिया गुर्जर के रहने वाले है तथा इनका पुत्र कोटा में निवास करता करता है। इनके द्वारा जनसुनवाई के दौरान आवेदन दिया गया की, खेत के रास्ते पर गांव के लोगों के द्वारा दो-तीन वर्षों से अतिक्रमण कर रखा है। जिससे खेत पर आने जाने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। खेत के रास्ते से अतिक्रमण हटाया जाए। जिससे हम खेती अच्छे से कर सके तथा खेत पर आना जाना में रुकावट न हो। जिस पर अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने तुरंत आदेश जारी कर तहसीलदार को अतिक्रमण हटाने के निर्देशित किया तथा तुरंत रास्ते से अतिक्रमण हटाया गया। मंदसौर गोल चौराहा के निवासी चेन शंकर तिवारी द्वारा आवेदन दिया गया कि उनके पुत्र एवं पुत्रवधू द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। जिस पर अपर कलेक्टर ने एसडीएम को भरण पोषण के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदन पर अपर कलेक्टर ने सीतामऊएसडीएम को निर्देश देकर ग्राम मानपुर में अतिक्रमण हटवाया। मुख्यमंत्री भू अधिकार योजना अंतर्गत पात्र 6 भूमिहीन हितग्राहियों शांतिबाई पति मांगीलाल, ग्यारसीबाई पति रंजीत, निर्मलाबाई पति विनोद, सुशीला बाई पति सुजानमाल, शंकरलाल पिता मोहनलाल, शांतिबाई पति अमरचंद को ग्राम पंचायत मानपुर के ग्राम मानपुर में आबादी में व्यक्तियों द्वारा किए गए अवैध रोडी डालकर अतिक्रमण को हटवाया जाकर विधिवत निर्धारित मापदंड अनुसार 30स20 ऋषिभूमि नाप कर चतुर सीमा बताकर भूमि प्रदाय की गई। इसके साथ ही जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये।

जिला स्तरीय उत्कृष्ट/मॉडल स्कूल एवं संस्कृत आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 9 को

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय उत्कृष्ट/मॉडल स्कूलों एवं संस्कृत आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए परीक्षा 9 मार्च 2025 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र मध्यप्रदेश राज्य मुक्त शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट (www. mpsos.nic.in) पर अपलोड कर दिए गए हैं। सभी आवेदकों को सूचित किया गया है कि वे अपने प्रवेश पत्र समय पर डाउनलोड करें और निर्धारित तिथि एवं समय पर परीक्षा में सम्मिलित हों। अधिक जानकारी के लिए संबंधित वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं।

मामला ग्राम बैंसला में शासकीय भूमि नामांतरण का...

तथाकथित बंगाली डॉक्टर मलिक पर मेहरबान प्रशासन..?

फर्जी नामांतरण में पटवारी कटारा को तो किया निलंबित, लेकिन मुख्य सूत्रधारों पर कब होगी कार्यवाही या है किसी का प्रभाव...?

मनासा/रामपुरा, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कहा जाता हैं कि चोरी का माल बेचने और खरीदने वाला दोनों गुनाहगार होते हैं तो फिर, शासकीय भूमि का बिना कलेक्टर अनुमति के खरीद फरोख्त मामले में एक तरफा कार्यवाही ही क्यों? माना कि, पटवारी मुकेश कटारा द्वारा रजिस्ट्री नामांतरण संज्ञान में नहीं लिए जाने का हर्जाना तो निलंबित होकर तो पटवारी ने भर दिया और उस पर जांच कार्यवाही बैठ गई, वह गुनाहगार है या नहीं यह एक जांच का विषय हैं? लेकिन मुख्य सूत्रधार तथाकथित डॉक्टर मोहन मलिक बैंसला जिसने शासकीय भूमि खरीदी और जिनके द्वारा भूमि बेच गई, उन पर वैधानिक कार्यवाही का संज्ञान कब लेंगे जिम्मेदार अधिकारी?

बता दें, विगत दिनों जिला नीमच अंतर्गत रामपुरा क्षेत्र के ग्राम बैंसला में शासकीय योजना में आवंटित हितग्राही द्वारा कृषि भूमि का फर्जी तरीके से तथाकथित डॉक्टर मोहन मलिक द्वारा खरीद फरोख्त कर रजिस्ट्री नामांतरण का मामला चर्चित चर्चा का विषय रहा, जिसमें अनुविभागीय अधिकारी मनासा श्री बारिया द्वारा तुरंत प्रभाव से तत्कालीन आरोपी पटवारी मुकेश कटारा को निलंबित किया गया। किंतु इस मामले को अंजाम देने वाले मुख्य सूत्रधारों पर अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया जो कि क्षेत्र में एक चर्चाविका विषयों बना हुआ हैं, कहा यह भी जा रहा हैं कि तथाकथित डॉक्टर मोहन मलिक उंची पकड़ वाला व्यक्ति है, उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। विचारणीय विषय तो यह हैं कि क्या वाकई में तथाकथित डॉक्टर मलिक का प्रशासन कुछ नहीं बिगाड़ सकता और विचारणीय प्रश्न यह भी हैं कि हजारों लोगों का इलाज करने वाला तथाकथित डॉक्टर मलिक बंगाली वाकई में डिग्रीधारी और प्रमाणित भी हैं...।

कंप्यूटराइजेशन के सफल क्रियान्वयन के लिए...

पैक्स प्रबंधकों को मिलेगी 5000 रूपये की प्रोत्साहन राशि

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलॉजी के प्रयोग में अग्रणी रहा है। केंद्र प्रायोजित पैक्स कम्प्यूटराइजेशन योजना के क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में मध्यप्रदेश देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है। वर्तमान में प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) के डिजिटाइजेशन एवं सॉफ्टवेयर आधारित अंकेक्षण का कार्य प्रगति पर है।

सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव श्री अशोक बर्णवाल की अध्यक्षता में योजना के क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग के लिए गठित स्टेट लेवल इम्प्लीमेंटेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (एसएलआईएमसी) की बैठक मंत्रालय में हुई। समिति ने सर्व सम्मति से पैक्स प्रबंधकों/ सहायक समिति प्रबंधकों को एकबारगी राशि 5000 रूपये की प्रोत्साहन राशि की स्वीकृति प्रदान की। इसके लिए 15 मई 2025 तक पैक्स को ई-पैक्स (तातारीख़ सॉफ्टवेयर पर कार्यशील होना) घोषित किया जाना अनिवार्य होगा। साथ ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों (डीसीसीबी) के 2 मास्टर ट्रैनर्स, जिनके बैंक की न्यूनतम 50 प्रतिशत पैक्स को उक्त दिनांक तक ई-पैक्स घोषित किया गया है, को प्रतिमाह राशि 1000 रुपए का प्रोत्साहन आगामी 12 माह तक प्रदान किया जाएगा। पैक्स प्रबंधकों को दी जाने वाले राशि का वहन अपैक्स बैंक तथा मास्टर ट्रेनर को दी जाने वाली राशि का वहन संबंधित डीसीसीबी द्वारा किया जाएगा। इस तरह अच्छे कार्य को सराहना देने में भी मध्यप्रदेश प्रथम राज्य है।

मेडिकल कॉलेज को सुचारू रूप से चलाने के लिये वातावरण को बेहतर बनाना आवश्यक-गुर्जर

मंदसौर, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्ट्रेट सभागृह मंदसौर में मंगलवार को दिशा समिति की बैठक में सम्मिलित राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर सम्मिलित हुए। बैठक में जिले के अंतर्गत चल रहे विभिन्न विकास कार्यों एंव योजनाओं की समीक्षा की गई। श्री गुर्जर ने जनहित के सुझाव रखे।

श्री गुर्जर ने शिवना दाबयुक्त परियोजना से मंदसौर नगर को पानी मिले इस हेतु अधिकारियों को सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि मंदसौर जिले के औद्योगिक विकास हेतु भी इस योजना के माध्यम से पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जाए। पानी की कमी के कारण औद्योगिक विकास प्रभावित न हो। योजना बनाकर उद्योगों को पानी सप्लाई की व्यवस्था की जाए। बैठक में शिवना शुद्धिकरण की योजना पर भी चर्चा की गई, प्रोजेक्ट का कार्य उपयुक्त तरीके से पूर्ण हो जाए इसे हेतु विभाग को सुझाव दिया। खिलचीपुरा से आने वाले पाइप छोटे हैं वहां ठीक डिजाइन के पाइप डाले जाए इस हेतु कहा गया। इस प्रोजेक्ट से जो गंदा पानी निष्कासित होने वाला है उसके लिए एसटीपी या उसके विकल्पों के बारे में योजना बनाकर व्यवस्था की जाए। बैठक में मेडिकल कॉलेज में ट्रामा सेंटर खुले इसे हेतु चर्चा की गई। आपने कहा कि मेडिकल कॉलेज को सुचारू रूप से चलाने के लिये वातावरण को बेहतर बनाना आवश्यक है। श्री गुर्जर ने ट्रामा सेंटर के लिए पर्याप्त भूमि एवं अन्य चीजों की व्यवस्था का प्रोजेक्ट बनाने के लिए सुझाव दिया। श्री गुर्जर ने कहा कि हाईवे पर दुर्घटनाओं का बढ़ना चिंताजनक है। इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक योजना बनाकर जनता को जागरुक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंदसौर संजीत मार्ग पर निर्माणाधीन पुल पर अधुरे सर्विस रोड एवं नाले के कार्य को जल्द पूर्ण करना चाहिए। तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत प्रस्तावित नई सड़कों में पंचायत के मुख्य गांवों को जोड़ने का कार्य किया जाए। श्री गुर्जर ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री नल जल योजना के अंतर्गत किया जा रहा कर गुणवत्ता पूर्ण हो, अपेक्षित गहराई में पाइप डाले जाएं। लाईनों के ठीक तरीके से संधारण की ग्रामवासियों से चर्चा कर योजना बनाना चाहिए।

जारी की गई अनुमतियां निरस्त... पेज 1 से जारी

फैसला ही नही सुनाया थाद्ध उससे पूर्व कॉलोनी की अनुमति देना सदेह के घेरे में आता है। टीएनसी को कैसे पता चला कि निर्णय यही होने वाला है। इसके साथ ही एनजीटी कोर्ट में जो ड्रोन नक्शा प्रस्तुत है, उसमें विषयांकित सर्वे नम्बर की भूमियां 4 से 5 फीट पानी भराव होकर डूब क्षेत्र में दर्शित है। भूमाफियां इन भूमियों में 4 से 5 फीट भराव करके तालाब को समाप्त करते हुए तेजी से कॉलोनी का कार्य कर रहे है। टीएनसी विभाग द्वारा 2002-2011 का मास्टर प्लान बनाया गया था। तब विभाग द्वारा राजस्व मानचित्र के पैनलों पर सारे नम्बरों को उकारा गया था। जिसमें तालाब की स्थिति बताई गयी थी कि तालाब की सीमा कितनी रहेगी। लेकिन एनजीटी कोर्ट ने टीएनसी विभाग द्वारा उस अधिकृत नक्शा के स्थान पर एक अनाधिकृत एवं बगैर अनुमोदित डिजिटल नक्शा पेश किया गया। जिसमें तालाब की स्थिति विधिवत नक्शे से भिन्न है। यह डिजिटल नक्शा उस समय का नही था, जब मास्टर प्लान 2011 बना था। उस वक्त पैनलों पर नशे की स्थिति उकेरी जाती थी। सर्वे नम्बर वाले पैनलों को नहीं बताया गया।

मास्टर प्लान 2011 के तारतम्य में जो तीन कॉलोनी की अनुमतिया टीएनसी विभाग द्वारा दी गई है, उसमें शर्तों में अलग-अलग निर्धारण किया गया है। मसलन सर्वे नम्बर 200 में वेटलेड 2010 का उल्लेख किया गया है। जबकि, वेटलेड 2010 इस तालाब क्षेत्र में लागू नही है और जल संसाधन विभाग से एनओसी नहीं ली गई है ना ही नगर पालिका से एनओसी ली गई है। जबकि नियम अनुसार तालाब क्षेत्र के आस-पास जो भी कॉलोनी की स्वीकृति दी जाती है। उसके पूर्व जल संसाधन विभाग और नगर पालिका से एनओसी लिया जाना अत्यधिक आवश्यक होना है।

यह कि तेलिया तालाब को लेकर एनजीटी कोर्ट ने जो भी फैसला दिया है उसे सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज किया गया है और सुप्रीम कोर्ट से नोटिस भी इश्यू हो गए है। ऐसे में इस तालाब क्षेत्र में जो निर्माण कार्य कॉलोनी के रूप में हो रहे है, वह पूरी तरह से अवैध है। उसे तत्काल रोकना चाहिए। क्योंकि जब तक सुप्रीम कोर्ट मामले में अपना फैसला नहीं दे देता है यहां पर निर्माण कार्य होना जनहित में नहीं है। तेलिया तालाब के क्षेत्र का निर्धारण करने को लेकर स्वयं मध्यप्रदेश शासन ने भोपाल में टीनएसी विभाग में हेड ऑफिस को पत्र लिखा है। जिला कलेक्टर द्वारा राजस्व मानचित्र पर सर्वे नम्बर सहित तेलिया तालाब का क्षेत्र निर्धारण करना अभी बाकी है। ऐसी स्थिति में इस क्षेत्र में जो कालोनियों कट रही है उनकी मंजूरी रोका जाना जरूरी है।

श्री गुप्ता ने यह भी लिख है कि टीएनसी विभाग में यहां पूछा जाना चाहिए कि तेलिया तालाब का निर्धारण करने के लिए उसने मास्टर प्लान 2022 में किस मेप का उपयोग किया था। और किस आधार पर तेलिया तालाब क्षेत्र में कॉलोनी को मंजूरी दी जा रही है। एक और तो पर्यावरण बचाने के लिए काम हो रहे है वही हरित क्षेत्र में एक के बाद एक कॉलोनी काटकर विभाग क्या कर रहा है, यह देख जाना चाहिए। यह कि टीएनसी विभाग की तेलिया तालाब को लेकर पहले ही संदिग्ध भूमिका रही है। जल संसाधन विभाग द्वारा विभिन्न पत्राचार किये गए है। जिसमें साफ तौर से यह पता चलता है कि तेलिया तालाब क्षेत्र में पूर्व से ही कॉलोनी में अनुमतियां दी गई है।

पुलिया निर्माण में अनियमितता की शिकायत, कांग्रेस नेता दीपक सिंह गुर्जर पहुंचे मौके पर

नगरी, 04 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर के बस स्टैंड पर बन रही पुलिया निर्माण में क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा की गई

अनियमितता की शिकायत पर कांग्रेस पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष दीपक सिंह गुर्जर ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुँच कर संबंधित अधिकारियों को मामले से अवगत करवाया।

नगर के बस स्टैंड पर बन रही पुलिया की चौडाई कम होने एवं अन्य अनियमितता की शिकायत को लेकर कांग्रेस नेता दीपक सिंह गुर्जर ने मौके पर पहुँच कर पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करवाते हुए गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने का कहा। इस दौरान नप उपाध्यक्ष घनश्याम अटोलिया, पिछड़ा वर्ग ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश टेलर, मदन अटोलिया, नगर कांग्रेस अध्यक्ष श्यामसुंदर अटोलिया, पूर्व पार्षद अनिल जैन, विनोद प्रजापत सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। पुलिया की चौडाई निर्धारित माप से कम है। मामले में कांग्रेस नेता दीपक सिंह गुर्जर ने बताया कि क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा पुलिया निर्माण में अनियमितता की सूचना पर मौके पर पहुँचा था। निर्माण कार्य में अनियमितता हो रही है, पुलिया की चौडाई 3 मीटर होने के स्थान पर कम हैं नगर की मुख्य सड़क की पुलिया होने से पर्याप्त चौडाई होनी चाहिए किंतु कम चौडाई की पुलिया बनाई जा रही है। मौके पर मजदूरों के अलावा कोई नहीं है जबकि नियमानुसार इंजीनियर के दिशा निर्देश में काम होना चाहिएं अनियमितता को लेकर पीडब्ल्यूडी के आदित्य सोनी को अवगत करवाया है। नप अध्यक्ष संगीता बग्गड ने बताया कि पुलिया का कार्य नियमानुसार ही हो रहा हैं आगे के नाले में पानी निकासी का ध्यान रखकर ही पुलिया बनाई जा रही है।

पुलिया बनाने की मांग को लेकर पहले भी हुआ था धरना प्रदर्शन- नगरी कचनारा टूलेन सड़क निर्माण के दौरान बस स्टैंड की पुलिया निर्माण नहीं करने पर 25 मई 2024 को पूर्व भाजपा दलोदा मंडल अध्यक्ष रामेश्वर अटोलिया ने क्षेत्रवासियों के साथ रोष व्यक्त करते हुए धरना प्रदर्शन किया था। उस समय संबंधित अधिकारियों का कहना था कि सड़क के साथ पुलिया का कार्य स्वीकृत नहीं है। पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया को भी मंडल अध्यक्ष ने नागरिकों की पुलिया निर्माण की मांग को वाजिब बताते हुए पुलिया बनाने की मांग रखी थी। जिसके बाद करीब करीब 9 माह बाद शुरू हुआ पुलिया निर्माण कार्य फिर अनियमितता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति पिपलिया, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

awmpipmas-mp@nic.in ph-07424-241026

क्रमांक/मंडी/स्टोर/24-25/1289 पिपलिया, दिनांक-04.03.2025

* केन्टीन ठेका विज्ञप्ति *

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मंडी पिपलिया के मंडी प्रांगण स्थित केन्टीन की नीलामी दिनांक 21.03.2025 को समय दोपहर 1.00 बजे की जावेगी, इच्छुक व्यक्ति धरोहर राशि दिनांक 20.03.2025 को समय दोपहर 03.00 बजे तक जमा करवाकर नीलामी में भाग ले सकता है।

क्रमांक	कार्य का नाम	अवधि	धरोहर राशि
1	केन्टीन	निविदा स्वीकृति से 3 वर्ष हेतु	100000/-

नोट- 1. नीलामी बोली प्रतिवर्ष के मान से लगाई जावेगी। एक वर्ष पश्चात प्रतिवर्ष ठेके की राशि में 10 प्रतिशत की वृद्धि की जावेगी।

2. नीलामी बोली में भाग लेने हेतु आवेदन फार्म का शुल्क 1000/- रुपये जमा कराना होगा जो कि वापसी योग्य नहीं रहेगा।

3. ठेके में स्वीकृत राशि एक मुश्त अग्रिम प्रतिवर्ष जमा कराना अनिवार्य होगा। जिसमें अमानत राशि का समायोजन नहीं होगा। अमानत राशि ठेका अवधि पूर्ण होने की पश्चात ही वापस होगी। किसी कारणवश विलम्ब होने पर 24 प्रतिशत वार्षिक की दर से अधिभार देय होगा।

4. अमानत राशि केवल बैंक ड्राफ्ट/नगद/आर.टी.जी.एस./एनईएफटी के माध्यम से ही मान्य की जावेगी।

5. ठेके से संबंधित अन्य आवश्यक शर्ते कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

पर्वतसिंह सिसोदिया
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति पिपलिया

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in